RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

साझा करें अपने मित्रों से

सांध्य दैनिक

दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

वर्ष- 13, अंक - 297 | श्रीकंचनपथ ONLINE | visit us http://www.shreekanchanpath.com | भिलाई, शनिवार 13 अगस्त 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर...

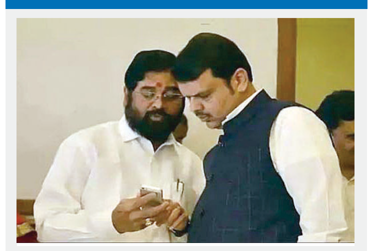

शिंदे कैंप में बगावत! मंत्री न बनाए जाने से नाराज विधायक के ट्वीट ने दिए कई संकेत

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की सियासत में आए दिन उथल-पुथल की खबरें सामने आ रही हैं। पहले पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से बगावत हुई। एकनाथ शिंदे नए मुख्यमंत्री बनें। इसके बाद लंबे समय तक मंत्रिमंडल विस्तार न होने के कारण नई सरकार सवालों के घेरे में रही। अब जब मंत्रिमंडल विस्तार भी हो चुका है, तो नए कयासों ने जन्म ले लिया है।

दरअसल, शिंदे गुट में शामिल हुए औरंगाबाद पश्चिम विधायक संजय शिरसाट के एक ट्वीट ने नई अटकलों को जन्म दे दिया है। उन्होंने एक ट्वीट में महाराष्ट्र के परिवार का मुखिया उद्धव ठाकरे को बताया है। इसके बाद से यह कयास लगाए जा रहे हैं कि शिंदे खेमे में सबसे पहले शामिल होने वाले संजय शिरसाट मंत्री पद न मिलने से नाराज हैं।

ट्वीट पर दी सफाई

दरअसल, संजय शिरसाट ने उद्धव ठाकरे के एक वीडियो को पोस्ट किया था। इसमें ठाकरे ने महाराष्ट्र के बारे में अपनी राय रखी थी। इसके बाद से कयास लगाए जा रहे हैं कि उनका यह ट्वीट शिंदे खेमे के लिए एक चेतावनी है। हालांकि, संजय शिरसाट ने कहा कि मेरे ट्वीट का आशय यह था कि जब आप एक परिवार के मुखिया की भूमिका निभा रहे हों, तो आपको अपनी राय के बजाय अपने परिवार की राय का सम्मान करना चाहिए।

शिंदे से कोई नाराजगी नहीं

ट्वीट पर सफाई देते हुए शिरसाट ने कहा कि मेरा ट्वीट इसलिए नहीं था कि मुझे मंत्री पद नहीं मिला। उन्होंने कहा, मैं वही बोलता हूं, जो मुझे सही लगता है। मेरा यह मानना भी है कि उद्धव ठाकरे को राकांपा और कांग्रेस के साथ गठबंधन नहीं करना चाहिए था। उन्होंने कहा, शिंदे खेमे में हम सभी खुश हैं।

नए साथियों के साथ नीतीश को मिलीं नई चुनौतियां

महागठबंधन का भविष्य क्या कितने दिन चलेगी सरकार?

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में एक बार फिर जदयू की महागठबंधन से दोस्ती हो गई है। नीतीश कुमार फिर से महागठबंधन के मुख्यमंत्री बन गए हैं। ज्यादा सीटें होने के बावजूद राजद नेता तेजस्वी यादव ने डिप्टी सीएम पद से संतोष कर लिया। राजद के अलावा इस महागठबंधन में कांग्रेस और वामपंथी दल भी हैं। ऐसे में नीतीश कुमार मुख्यमंत्री तो हैं लेकिन सभी दलों को साथ लेकर चलना उनके लिए बड़ी चुनौती होगी। 2017 में जिन वजहों से नीतीश कुमार ने महागठबंधन का साथ छोड़ा था वो आज भी हैं। उस दौरान डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप का मामला अभी भी खत्म नहीं हुआ है। सवाल ये है कि नीतीश कुमार और तेजस्वी मिलकर कितने दिन सरकार चला पाएंगे? इस महागठबंधन का 2024 के लोकसभा और उसके बाद 2025 में होने वाले विधानसभा चुनाव में क्या होगा?

लालू परिवार पर भ्रष्टाचार के आरोप

लालू के परिवार के कई सदस्यों पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं। राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव इस वक्त भी सजा काट रहे हैं। उनकी पत्नी राबड़ी देवी और उनकी बड़ी बेटी मीसा भारती और बेटे तेजस्वी यादव पर भ्रष्टाचार के मामले चल रहे हैं। तेजस्वी पर लगे आरोपों के बाद ही

2017 में नीतीश कुमार ने महागठबंधन से अलग होने का फैसला लिया था।

कार्यकर्ताओं का समन्वय

राजद, कांग्रेस और जदयू के कार्यकर्ताओं के बीच भी काफी मतभेद हैं। सरकार चलाने के लिए महागठबंधन के सभी दलों के कार्यकर्ताओं और नेताओं के बीच समन्वय भी नीतीश कुमार, तेजस्वी के लिए बड़ी चुनौती होगी।

क्या होगा महागठबंधन का भविष्य?

हमने यही सवाल बिहार के वरिष्ठ पत्रकार दिवाकर झा से पूछा। उन्होंने कहा, '2017 में जिन परिस्थितियों में नीतीश कुमार महागठबंधन से अलग हुए थे, वो सभी को मालूम है। तब के और आज के समय में कोई खास बदलाव नहीं हुआ है। हां, राजद पहले के मुकाबले ज्यादा मजबूत जरूर हो गई है। ऐसे में जाहिर है, मुख्यमंत्री भले ही नीतीश कुमार रहेंगे, लेकिन फैसला तेजस्वी यादव ही करेंगे।' झा आगे कहते हैं, 'शपथ ग्रहण करने के बाद तेजस्वी ने नीतीश कुमार के पैर छूकर यह संदेश देने की कोशिश की है कि नीतीश बड़े हैं और वह उनका सम्मान करते हैं। हालांकि, राजनीति में इस तरह की तस्वीरें आम हैं। यूपी चुनाव में भी अखिलेश यादव ने मायावती के पैर छूए थे। बाद में क्या हुआ सब ने देखा।'

दिवाकर के मुताबिक, तेजस्वी यादव को अभी अपना कॅरियर बनाना है। वह मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं। ऐसे में तेजस्वी लगातार मीडिया में बने रहने की कोशिश करते हैं। वह जनता के बीच जाकर कुछ भी एलान कर देते हैं। अगर वह आगे भी इसे जारी रखेंगे तो नीतीश सरकार के लिए मुश्किल खड़ी हो सकती है। इसी तरह कांग्रेस, वामपंथी दलों के साथियों को भी साथ लेकर चला नीतीश के लिए सिर दर्द साबित होगा। एनडीए में रहते हुए किसी भी फैसले के लिए केवल भाजपा को मनाना पड़ता था, लेकिन महागठबंधन में कई दलों की सहमति लेनी होगी। नीतीश कुमार अगर ऐसा नहीं कर पाए तो जल्द ही महागठबंधन का 2017 जैसा हाल होगा।

पद और अहंकार को दूर रखना

बिहार विधानसभा में कुल 243 सीटें हैं। इसमें राजद के 79, भाजपा के 77, जदयू के 45, कांग्रेस के 19, भाकपा (माले) के 12, भाकपा और माकपा के दो-दो, एआईएमआईएम के एक, हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) के चार और एक निर्दलीय विधायक हैं। एक सीट रिक्त है। मतलब साफ है, इस वक्त महागठबंधन में सबसे ज्यादा सीटें राजद की हैं। इसके बावजूद जदयू के नीतीश कुमार मुख्यमंत्री हैं। ऐसे में नीतीश को सरकार चलाने के लिए राजद को संतुष्ट करना पड़ेगा। सरकार में राजद का दखल भी पहले के मुकाबले इस बार ज्यादा होगा। इससे निपटा भी नीतीश के लिए एक बड़ी चुनौती होगी।

रेलवे ट्रैक के पास मिला टीएस सिंह देव के रिश्तेदार का शव भाजपा ने की जांच की मांग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मंत्री टीएस सिंह देव के रिश्तेदार वीरभद्र प्रताप सिंह शुक्रवार को बिलासपुर जिले के रेलवे ट्रैक के पास मृत पाए गए। वीरभद्र प्रताप सिंह एक जनपद पंचायत प्रतिनिधि थे। पुलिस को संदेह है कि वह दुर्ग-अंबिकापुर ट्रेन से गलती से गिर गए होंगे, जिससे वह यात्रा कर रहे थे। पुलिस ने कहा कि सरगुजा जिले के लुंड्रा जनपद पंचायत के उपाध्यक्ष वीरभद्र प्रताप सिंह (42 वर्षीय) का शव सुबह कोटा थाना क्षेत्र के सलका और बेलगहना रेलवे स्टेशनों के बीच पटरियों के पास मिला। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंह देव के रिश्तेदार वीरभद्र सिंह उर्फ सचिन बाबा पूर्व सरगुजा राजघराने की धौलपुर इकाई से ताल्लुक रखते थे।

रेलवे कर्मियों ने देखा शव और पुलिस को सूचित किया

बिलासपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) पारुल माथुर ने कहा कि शव को रेलवे कर्मियों ने देखा, उन्होंने ही पुलिस को सूचित किया। एसएसपी ने कहा कि शव की पहचान करने के बाद उनके परिवार के सदस्यों को सूचित किया गया और जांच के लिए फोरेंसिक टीम को मौके पर भेजा गया।

प्रथमदृष्टया ट्रेन से गिरने से हुई मौत : एसएसपी

माथुर ने कहा कि वह गुरुवार रात-दुर्ग अंबिकापुर एक्सप्रेस से रायपुर से अंबिकापुर जा रहे थे और प्रथम दृष्ट्या ऐसा लगता है कि वह चलती ट्रेन से गलती से गिर गए और उनकी मौत हो गई। उन्होंने कहा, आगे की जांच जारी है। पोस्टमार्टम के बाद शव को उनके परिजनों को सौंप दिया गया है। इस बीच, विपक्षी भाजपा ने दावा किया कि वीरभद्र प्रताप सिंह की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हुई है। भाजपा ने घटना की न्यायिक जांच की है।

भाजपा ने की उच्च स्तरीय जांच की मांग

टीएस सिंह देव के करीबी रिश्तेदार वीरभद्र प्रताप सिंह को पिछले साल कांग्रेस विधायक बृहस्पत सिंह के काफिले पर कथित हमले के मामले में गिरफ्तार किया गया था। भाजपा के वरिष्ठ विधायक अजय चंद्राकार ने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में यह कोई सामान्य घटना नहीं लगती और यह राजनीतिक हत्या भी हो सकती है। उन्होंने मांग की कि मुख्यमंत्री बूपेश बघेल इस घटना की जांच हाई कोर्ट के सिटिंग जज से करवाएं।

चंद्राकार ने कहा, अपने काफिले पर हमले के बाद बृहस्पत सिंह ने दावा किया था कि उन्हें वीरभद्र प्रताप सिंह देव से जान का खतरा है। मंत्री ने (कांग्रेस) विधायक के दावों पर बहस के दौरान पिछले साल के मानसून सत्र के दौरान राज्य विधानसभा से वॉकआउट किया था। ऐसे में मामले की उच्च स्तरीय जांच की जरूरत है।

सोनिया गांधी को हुआ कोरोना, दो महीने में दूसरी बार संक्रमित

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी कोरोना संक्रमित पाई गई हैं। इसकी पुष्टि पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने की है। उन्होंने ट्वीट किया कि 'कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी कोरोना संक्रमित पाई गई हैं। वह सरकार द्वारा जारी प्रोटोकॉल का पालन करते हुए आइसोलेशन में रहेंगी। बता दें, दो जून को भी सोनिया गांधी कोरोना संक्रमित हो गई थीं। उन्हें गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था, जहां उनकी हालत काफी बिगड़ गई थी। वहीं, बीते बुधवार को प्रियंका गांधी भी कोरोना संक्रमण की चपेट में आ गई थीं। वह भी फिलहाल आइसोलेशन में हैं। इससे पहले भी प्रियंका गांधी कोरोना संक्रमित पाई गई थीं। उन्हें तीन जून को कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई थी।

रक्षाबंधन पर घर आ रहा इसरो का युवा वैज्ञानिक लापता, 5 दिनों से मोबाइल बंद ओडिशा से बैरंग लौटी पुलिस की टीम

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। इसरो संस्था का युवा वैज्ञानिक रक्षाबंधन का पर्व मनाने छत्तीसगढ़ के सूरजपुर लौटने के दौरान रहस्मय ढंग से लापता हो गया। 5 दिनों से उसका कहीं कोई सुराग नहीं मिल रहा है। उसके अचानक गायब होने से परिजनों सहित पुलिस महकमें में हड़कंप मच गया है। सूरजपुर एसपी के निर्देश पर पुलिस की टीम परिजनों के साथ पुरी (ओडिशा) पहुंची, जहां उसका अंतिम मोबाइल लोकेशन मिला था। पुलिस ओडिशा से बैरंग लौट आई है। युवा वैज्ञानिक न घर पहुंचा और न ही उसके इसरो ड्यूटी में वापस लौटने की सूचना है।

मिली जानकारी के अनुसार इंडियन स्पेश रिसर्च आर्गेनाइजेशन के अहमदाबाद में सूरजपुर जिले के लटोरी पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम पंचायत कसकेला निवासी दीपक पैकरा पिता रामदास पैकरा वैज्ञानिक सी के पद पर पदस्थ है। दीपक रक्षाबंधन पर्व मनाने 5 अगस्त को अहमदाबाद से निकला था। 6 अगस्त को वैज्ञानिक ने नागपुर पहुंचने की जानकारी अपने परिजनों को दी थी। इसके बाद से दीपक का मोबाइल स्वीच ऑफ बता रहा है। फोन-पे के ट्रांजेक्शन से परिजन को जानकारी मिली है, जिसके मुताबिक 7 अगस्त को उसका लास्ट लोकेशन पुरी स्टेशन (ओडिशा) बता रहा है। युवा वैज्ञानिक के घर नहीं पहुंचने पर परिजनों ने लटोरी पुलिस चौकी में शिकायत दर्ज कराई है।

पुरी भेजी पुलिस की टीम

परिजनों की सूचना पर एसपी रामकृष्ण साहू के निर्देश पर लटोरी पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए तत्काल 2 सदस्यीय टीम को परिजन के साथ पुरी रवाना कर दिया। पुरी में वैज्ञानिक के होटल ब्लू मून में ठहरने की जानकारी मिली है। 8 अगस्त के बाद से वैज्ञानिक का मोबाइल स्वीच ऑफहोने की वजह से संपर्क नहीं हो पा रहा है। वैज्ञानिक का अंतिम मोबाइल लोकेशन पुरी स्टेशन ही बताया जा रहा है। वह ड्यूटी पर भी वापस नहीं पहुंचा है। ऐसे में परिजन अब किसी अनहोनी की आशंका से भयभीत हैं। एसपी रामकृष्ण साहू ने बताया कि वैज्ञानिक की तलाश के लिए टीम लगी हुई है।

खेत में गए युवक को बाघ ने उतारा मौत के घाट अधखाया शव मिला, इलाके में दहशत का माहौल

लखीमपुर (एजेंसी)। यूपी के लखीमपुर में एक बार फिर बाघ की दहशत बढ़ गई है। हालांकि इस बार अलग इलाके में दहशत फैली है। दरअसल, शनिवार सुबह खेतों की ओर गए युवक को बाघ ने मार डाला। गांव में उस समय हड़कंप मच गया जब युवक का अधखाया शव बरामद किया गया। लखीमपुर के एक नए इलाके की तरफ बढ़े बाघ के हमले से गांव वाले दहशत में हैं। मामला लखीमपुर के दक्षिण खीरी के गोला वन रेंज का है। संभावना है कि बाघ लखीमपुर के जंगलों से खेतों की तरफ आ गया है। जानकारी के मुताबिक शनिवार सुबह जंगल और खेतों की बॉर्डर पर एक युवक का शव मिला। बाघ के हमले के बाद युवक का अधखाया शव लखीमपुर के दक्षिण खीरी के अम्बारा जंगल के किनारे शनिवार सुबह मिला। युवक के अधखाये शव को देखकर गांव वाले हैरान रह गए। पहचान करने

के बाद जानकारी हुई की शुक्रवार शाम को युवक खेतों की तरफ गया था और शाम से ही लापता हो गया था। युवक की शाम से खोज की जा रही थी जो रात होने पर अंधेरे के कारण रोक दी गई थी। वहीं खोज सुबह भी जारी रखी गई और इसी दौरान उसका अधखाया शव बरामद किया गया।

खाड़ी में बन रहा कम दबाव का क्षेत्र, छत्तीसगढ़ में एक-दो स्थानों पर होगी भारी बारिश, बिजली गिरने की भी संभावना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के दक्षिणी और मध्य क्षेत्रों में सप्ताहभर से अच्छी बारिश हो रही है। बस्तर संभाग में बारिश ने कहर बरपा दिया है। नदी-नाले उफान पर हैं। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग से ओडिशा, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश का संपर्क टूट गया था। मौसम विभाग ने पहले दक्षिण छत्तीसगढ़ यानी बस्तर के 7 जिलों के लिए 72 घंटे का रेड अलर्ट जारी किया था। इस दौरान खूब बारिश हुई। इसके बाद मौसम विभाग ने मध्य छत्तीसगढ़ यानी रायपुर और दुर्ग संभाग में 24 घंटों के लिए 18 जिलों में ऑरेंज और यलो अलर्ट जारी किया था। अब बंगाल की खाड़ी में फिर निम्न दाब का क्षेत्र बन रहा है।

मौसम विज्ञानी एचपी चंद्रा के मुताबिक मॉनसून द्रोणिका उत्तर-पूर्व अरब सागर,

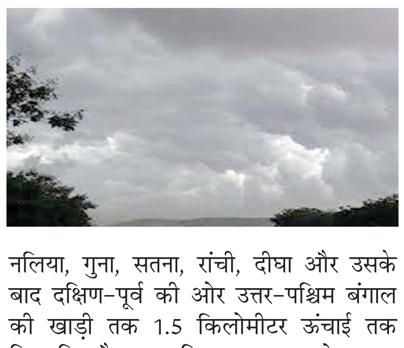

नलिया, गुना, सतना, रांची, दीघा और उसके बाद दक्षिण-पूर्व की ओर उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी तक 1.5 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। एक निम्न दाब का क्षेत्र उत्तर बंगाल की खाड़ी में बनने और इसके और ज्यादा प्रबल होने होने की संभावना है। प्रदेश में 13 अगस्त को अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पड़ने के आसार हैं। प्रदेश में एक- दो स्थानों पर गरज चमक साथ भारी वर्षा भी होने की संभावना है।

बस्तर, दुर्ग और रायपुर संभाग में अच्छी बारिश

बस्तर संभाग के दंतेवाड़ा, सुकमा, जगदलपुर, कांकेर और नारायणपुर में अच्छी बारिश हुई है। रायपुर संभाग के बलौदाबाजार-भाटापारा, धमतरी, गरियाबंद, महासमुंद 3 दिनों में अच्छी बारिश हुई है। दुर्ग जिले के कबीरधाम, राजनांदगांव, दुर्ग-भिलाई और बेमेतरा बारिश से सूखा खत्म हुआ है। उत्तर छत्तीसगढ़ के सरगुजा संभाग में अभी भी सूखे जैसे स्थिति है। यहां सबसे कम बारिश हुई है। गुरुवार तक यहां 291.7 मिमी बरसात हुई है। यह औसत से 63त्न फीसदी कम है। सूरजपुर, बलरामपुर, जशपुर, कोरिया और बिलासपुर संभाग के कोरबा जिले में बारिश सामान्य से कम है।

असहाय राजनीति का अंतिम प्रलाप!

दीपक रंजन दास

गुस्ताखी माफ

राजनीति भी बड़ी कुत्ती चीज होती है, खासकर तब जब एक विशाल जनसमुदाय को हकालना हो. तरह-तरह के हथकंडे अपनाए जाते हैं, या यूं कहें अपनाने पड़ते हैं. देश की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी पर वोट बैंक की राजनीति और तुष्टिकरण के आरोप एक लंबे समय से लग रहे हैं. आरक्षण के खिलाफभी एक आंधी चली थी. लंबे समय तक लोग कहते रहे हैं कि आरक्षण के बूते डाक्टर बनने वालों से सरकार के मंत्रियों को इलाज कराना चाहिए. अल्पसंख्यकों की धार्मिक यात्रा भी टारगेट में रही है. नीति अब भी वही है बस मोहरे बदल गए हैं. नया मोहरा आदिवासी है. वही आदिवासी जो जंगलों को बचाने की अंतिम लड़ाई लड़ रहा है. जिसे आजादी के 75 साल बाद भी पेड़ों से चिपककर उनकी सुरक्षा करनी पड़ रही है. वही आदिवासी जो नक्सलियों और सशस्त्र बलों के बीच पिस कर अपना सबकुछ गंवा रहे हैं. ये वही आदिवासी हैं जिनकी परम्पराओं और आस्था पर कुठाराघात किये जा रहे हैं. हसदेव अरण्य और सिलगेर के जंगलों से लेकर ये हमले जामड़ीपाट तक फैले हैं. ये वही आदिवासी हैं जिनकी विधानसभा तक में कथित भद्र लोग खिल्ली उड़ाते हैं. आदिवासी आधुनिक समाज की सोच से परे हैं. वो अपने प्राकृतिक आवासों में, प्रकृति की गोद में, अपनी सीमित जरूरतों के साथ खुश हैं. उनके चेहरों पर आज भी निश्छल हंसी है. पर उन्हें यूं ही तो नहीं छोड़ दिया जा सकता. उन्हें आगे बढ़ाने के लिए अब तक दो सफल उपाय किये गये हैं. आरक्षण देकर उन्हें आगे बढ़ाने की कोशिशों के बाद उनकी बेहतर शिक्षा दीक्षा के लिए प्रयास किये गये. विभिन्न परीक्षाओं के लिए उन्हें कोचिंग देने की भी व्यवस्था की गई. इसके नतीजे भी आ रहे हैं. आदिवासियों की खेल प्रतिभा को भी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई. आज खेल जगत में भी वे अपना दमखम दिखा रहे हैं. शायद यही सही तरीका भी है जहां उन्हें प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार कर अपने दमखम के साथ आगे आने के लिए प्रेरित किया जा रहा है. पर यह एक धीमी प्रक्रिया है जिसका कोई राजनीतिक लाभ सुनिश्चित नहीं है. अब जबकि छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव को लगभग एक साल रह गए हैं 15 साल तक एक ही मुख्यमंत्री के साथ सत्ता में रही पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष आदिवासी मुख्यमंत्री का शिगूफा उछाल रहे हैं. वे कह रहे हैं कि उनकी पार्टी ने एक आदिवासी महिला को राष्ट्रपति बनाया. बता दें - नई राष्ट्रपति ब्रह्मकुमारी हैं. वे आदिवासी जीवन पद्धति से कब का नाता तोड़ चुकी हैं. उन्होंने राष्ट्रपति भवन तक का कायाकल्प अपनी नई आस्था के अनुरूप किया है. क्या आदिवासी मुख्यमंत्री भी ऐसा ही होगा? यहां इस बात की चर्चा करना अप्रासंगिक नहीं होगा कि ईसाई बनने के कारण प्रदेश के प्रथम मनोनीत मुख्यमंत्री को आदिवासी मानने से इंकार किया जाता रहा है. उनसे आदिवासी होने के सबूत मांगे जाते रहे हैं.

संपादकीय

मुफ्त रेवड़ी पर चोट

मुफ्त रेवड़ी की संस्कृति एक बार फिर निशाने पर आई है, तो कोई आश्चर्य नहीं। इस बार देश की सर्वोच्च अदालत ने बहुत सख्त टिप्पणी की है। शीर्ष अदालत ने साफतौर पर कह दिया, इस संस्कृति के चलते अर्थव्यवस्था को गंभीर नुकसान हो रहा है। चुनाव के समय किए जाने वाले मुफ्त चीजों या सुविधाओं के वादे गंभीर मुद्दा है, क्योंकि इससे अर्थव्यवस्था को बहुत नुकसान हो रहा है। शीर्ष अदालत ने सरकार को एक समिति बनाने का सुझाव दिया है। समिति से अपेक्षा की गई है कि वह निष्पक्षता से सुनवाई करे। जिन लोगों को वाकई मुफ्त मदद की जरूरत है और जिनको इस पर आपत्ति है, दोनों पक्षों को सुनने के बाद ही किसी संतुलित फैसले पर पहुंचा जा सकता है। वाकई भारत जैसे देश में एक जरूरतमंद तबका ऐसा है, जिसे मुफ्त सेवाओं की जरूरत है। अत: अगर मुफ्त योजनाओं पर अचानक से लगाम लगाई जाए, तो बेहद गरीब लोगों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ेगा।

> “ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पिछले दिनों कहा था कि मुफ्त रेवड़ी बांटने की संस्कृति देश के विकास के लिए खतरनाक हो सकती है। पार्टियों को गंभीरता से विचार करना ही होगा। गरीबी कोई राजनीतिक मुद्दा न बने, यह सामूहिक नाकामी या जिम्मेदारी है। जो जरूरतमंद लोग हैं, उन्हें एक समय तक मुफ्त योजनाओं का लाभ मिलना कतई गलत नहीं है। जो लोग भोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य के लिए तरस रहे हैं, उन पर करदाताओं या देश के पैसे का खर्च बिल्कुल जायज है।

दरअसल, सर्वोच्च अदालत में अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई चल रही थी। याचिका में यह मांग की गई है कि चुनावों के दौरान मतदाताओं को लुभाने के लिए मुफ्त का वादा करने वाले राजनीतिक दलों पर प्रतिबंध लगाने का प्रावधान हो। राजनीतिक दलों को अपने घोषणापत्रों के प्रति जवाबदेह बनाने की भी मांग की गई है। सर्वोच्च अदालत ने भी इसे गंभीर मुद्दा माना है, तो आने वाले दिनों में मुफ्त की रेवड़ी के संबंध में कोई न कोई नीति या नियम-कायदे का प्रावधान सामने आ सकता है। राजनीतिक दल मुफ्त रेवड़ी कोई अपनी जेब से नहीं देते, वे करदाताओं के पैसे का ही उपयोग या दुरुपयोग करते हुए पूरा श्रेय लेते हैं। जनता को मुफ्त योजनाओं का लाभ देने की परिपाटी इस कदर स्थापित हो चुकी है कि कोई भी राजनीतिक दल आगे आकर मुफ्त की रेवड़ियों के खिलाफबात नहीं कर रहा है। हालांकि, हर राजनीतिक दल को अपने विरोधी राजनीतिक दलों की मुफ्त योजनाओं पर आपत्ति है। भारत के प्रधान न्यायाधीश एनवी रमना ने कहा है कि भारत एक ऐसा देश है, जहां गरीबी मौजूद है और केंद्र सरकार की भूखे लोगों का पेट भरने की योजना है। वैसे, कई योजनाएं हैं, जिनसे अर्थव्यवस्था को नुकसान हो रहा है, अत: जन-कल्याण और अर्थव्यवस्था के बीच संतुलन की जरूरत गलत नहीं है। सर्वोच्च अदालत ने 3 अगस्त को ही केंद्र सरकार, नीति आयोग, वित्त आयोग और आरबीआई जैसे हितधारकों से इस गंभीर विषय पर मंथन करने और समाधान के सुझाव देने को कहा था। इस बार शीर्ष अदालत ने समिति बनाने का सुझाव दिया है। अगर सरकार और संस्थाएं मुस्तैदी से जवाब देंगी, तो अगली सुनवाई में 17 अगस्त को सुधार की एक दिशा तय हो जाएगी।

कुल मिलाकर, यह एक गंभीर मुद्दा बन गया है। हर राजनीतिक पार्टी को अपने बलबूते ही चुनाव लड़ना चाहिए। सरकारी धन को अपनी झोली में मानते हुए वादा करने का चलन खत्म होना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पिछले दिनों कहा था कि मुफ्त रेवड़ी बांटने की संस्कृति देश के विकास के लिए खतरनाक हो सकती है। पार्टियों को गंभीरता से विचार करना ही होगा। गरीबी कोई राजनीतिक मुद्दा न बने, यह सामूहिक नाकामी या जिम्मेदारी है। जो जरूरतमंद लोग हैं, उन्हें एक समय तक मुफ्त योजनाओं का लाभ मिलना कतई गलत नहीं है। जो लोग भोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य के लिए तरस रहे हैं, उन पर करदाताओं या देश के पैसे का खर्च बिल्कुल जायज है।

नीतीश जैसा कोई और नहीं?

आज की भारतीय राजनीति का सर्वश्रेष्ठ प्रतिनिधित्व यदि कोई कर सकता है तो वह बिहार के मुख्यमंत्री नीतीशकुमार ही हैं। आज की राजनीति क्या है? वह क्या किसी विचारधारा या सिद्धांत या नीति पर चल रही है? डॉ. राममनोहर लोहिया और जयप्रकाश नारायण के बाद भारत में जो राजनीति चल रही है, उसमें सिर्फ सत्ता और पत्ता का खेल ही सबसे बड़ा निर्णायक तत्व है। क्या आज देश में एक भी नेता या पार्टी ऐसी है, जो यह दावा कर सके कि उसने अपने विरोधियों से हाथ नहीं मिलाया है? सत्ता का सुख भोगने के लिए सभी पार्टियों ने अपने सिद्धांत, विचारधारा और नीति को दरी के नीचे सरका दिया है।

नीतीशकुमार पर यह आरोप लगाया जा रहा है कि वे जिन नेताओं और पार्टियों की भद्द पीटा करते थे, उन्हीं के साथ वे अब गलबहियां डाले हुए हैं। ऐसा वे पहली बार नहीं, कई बार कर चुके हैं। इसीलिए उन्हें कोई पल्टूराम और कोई बहुरूपिया भी कह रहे हैं। लेकिन इन लोगों को मैं संस्कृत की एक पंक्ति बताता हूं। ‘क्षणे-क्षणे यन्नावतामुपैति तदेव रूपं रमणीयताया:’ याने जो रूप हर क्षण बदलता रहता है, वही रमणीय होता है। इसीलिए नीतीशकुमार हमारे सारे नेताओं में सबसे विलक्षण और सर्वप्रिय हैं। यदि ऐसा नहीं होता तो क्या वे आठवीं बार मुख्यमंत्री बन सकते थे? क्या आप देश में नीतीश के अलावा किसी ऐसा नेता को जानते हैं, जो आठ बार मुख्यमंत्री बना हो? लालू और नीतीश 4-5 दशक से बिहार की राजनीति के सिरमौर हैं लेकिन आज भी वह देश का सबसे पिछड़ा हुआ प्रांत है। फिर भी भाजपा से कोई पूछे कि नीतीश से डेढ़-दो गुना सीटें जीतने के बाद भी उसने उन्हें मुख्यमंत्री का पद क्यों लेने दिया? गुजरात के मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी को पटना में दरकिनार करनेवाले नीतीश को आपने मुख्यमंत्री क्यों मान लिया?नीतीश के अप्रिय आर सी पी सिंह को केंद्रीय मंत्री बनाना और उसको नीतीश से तोड़ना क्या ठीक था? इसके पहले कि भाजपा नीतीश को गिरा देती, नीतीश ने भाजपा के नेहले पर दहला मार दिया। नीतीश और भाजपा की यह टूट हर दृष्टि से बेहतर है। नीतीश जातीय जनगणना कराने पर उतारु हैं और भाजपा उसकी विरोधी है। इस समय नीतीश की सरकार के साथ पहले से भी ज्यादा विधायक हैं। भाजपा के अलावा बिहार की लगभग सभी पार्टियों का समर्थन उसको प्राप्त है। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि अगले विधानसभा चुनाव में इस नए गठबंधन को बहुमत मिल ही जाएगा।

नीतीश फिर से मुख्यमंत्री बन पाएंगे, यह तो निश्चित नहीं है लेकिन 2024 के आम चुनाव में समस्त विरोधी दलों को जोड़ने में सक्रिय भूमिका निभा सकते है। उन्हें प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाने के लिए विरोधी दल तैयार हो या न हों लेकिन उनका लचीला व्यक्तित्व ही कुछ ऐसा है कि वे राम और रावण दोनों के हमजोली हो सकते हैं।

वेद प्रताप वैदिक

> “ हिंदुओं की प्राचीन सनातनी संस्कृति की गरिमा और गौरव की श्रीवृद्धि हुई या वह उलटे उज्जड़, जंगली, अंधविश्वासी, नकलची, बुद्धिविहीन मानव स्वभाव से कलंकित हैं? सबसे बड़ी और गंभीर बात जो भारतीयों का जीना बिना इस सुध के है कि बाकी सभ्यताएं कैसे आगे बढ़ी हैं, वे कैसा जीवन जी रहे हैं और हम कैसा?

बुद्धि गंवाई, और उज्जड़ बने!

हरिशंकर व्यास

भारतीय उपमहाद्वीप पृथ्वी का प्राचीनतम सांस्कृतिक भूभाग है। जल्दी ही भारत आबादी में दुनिया का नंबर एक देश होगा। ऐसे देश के 140 करोड़ लोगों का जीवन कैसा होना चाहिए? खुशहाल, संतोषी, सफल जीवन। पर सत्य क्या है? लोगों का अव्यवस्था-केहोस-भ्रष्टाचार में लावारिस जीवन! कोई एक सौ करोड़ लोग पांच किलो राशन या पांच सौ, हजार, दो हजार रुपए की खैरात पर जीते हुए हैं। विश्व की सर्वाधिक दीन-हीन, निर्धनतम भीड़ का देश है भारत! आर्थिकी में पराश्रित (चीन) और देशी-क्रोनी ईस्ट इंडिया कंपनियों की बेइंतहां लूट। एटमी महाशक्ति के बावजूद दुश्मनों से असुरक्षित देश। धर्म, समाज, राजनीति व नेतृत्व में हर तरफ सड़ांध। लोगों का बेबस, भयाकुल और अंधविश्वासी जीवन।

भला कैसे आजादी के पचहतर वर्षों में भारत ऐसा देश बना? कौन है संतुष्ट? किसे नहीं है भविष्य की चिंता? कौन नहीं है भूखा? राजनीति का क्या बना है? समाज कैसी किस्सागोई लिए हुए है? धर्म कैसा जड़ है। सनातनी सभ्यता-संस्कृति में कैसी-कैसी कुरूपताएं हैं? क्या आजादी ने उन सनातन मूल्यों को नहीं गंवा दिया, जिनसे डेढ़ सहस्त्राब्दी की दासता के बावजूद संस्कृति धड़कती रही? जो देश सभ्यता का ‘द वंडर दैट वॉज इंडिया’ का पालना था, वह कैसे जहालत-काहिली का कुआं बना हुआ है? क्यों भारत बुद्धिहीनता के अंधकार में है? क्यों भारतीयों की आंखें, दिल-दिमाग और बुद्धि में सत्य देखने व समझने की सामर्थ्य नहीं? क्यों वह पुरुषार्थी और स्वाभिमानी नहीं है असंख्य सवाल। इसलिए जरूरी है कि 15 अगस्त 1947 की नींव और सफर पर नए सिरे से विचार हो। सो, गौर करें मेरे इस मंथन पर- बुद्धी गंवाई, और उज्जड़ बने!

भारत आज क्या है? उसका जीवन, उसकी सांस, उसकी आवाज में क्या धड़कता और गूंजता हुआ है? क्या राष्ट्र शरीर का खून झूठ से काला नहीं है? क्या मनुष्य शरीर प्रदूषणों में धड़कता हुआ नहीं है? हवा-पानी, खाना-पीना ही नहीं, बल्कि दिमाग का झूठ और भय के प्रदूषणों में आम और खास सभी का जीवन हाफंता हुआ। जैसे देश का दिमाग, नैरेटिव और दिशा वैसे ही नागरिकों का खामोख्याली में भटका हुए जीवन। अपने हाथों, अपने कर्मों से भयाकुल, मुफ्तखोर समाज की रचना करते हुए लोग इस इलहाम में जी रहे हैं कि हम विश्वगुरू हो रहे हैं।

उफ! विश्व गुरू का जुमला और समाज बिखराव तथा असुरक्षा की अंधेरी सुरंग की और बढ़ने की रियलिटी। यह पचहत्तर वर्षों का सतत अनुभव है। समाज में कितने झगड़े हुए? कितनी परस्पर खुन्नस बनी? कैसे आर्थिकी में गरीबी और असमानता बावजूद उन जुमलों के बढ़ी जो आजादी से लोग लगातार सुनते आए हैं। तभी जुमलों पर पहले विचार होना चाहिए। किस-किस ने नहीं बोले जुमले! उनसे लोगों का क्या बना है, क्या बनता है, यहीं 75 वर्षों की त्रासदी है। असली भारत कहानी है। समाजवाद, जनकल्याण, गरीबी हटाओ, धर्मनिरपेक्षता, लोक कल्याण, भ्रष्टाचार मुक्ति और सबका साथ-सबका विकास, तुष्टिकरण नहीं तृप्तिकरण जैसे इतनी तरह के ऐसे-ऐसे जुमले भारत में बने हैं कि तीन पीढ़ियां शब्दों की जुगाली में इंतजार करते-करते मर गईं मगर आम लोगों का जीवन पशु रेवड़ से बाहर नहीं निकला। भारत में मानव गरिमायुक्त जीवन कितने करोड़ लोग जीते हुए हैं? अपना अनुमान है कि शासकों-नेताओं-अफसरों-क्रोनी मेहरबानियों के व्यापारियों के कुल कुलीन वर्ग की संख्या तीन (या ज्यादा से ज्यादा पांच) करोड़ भी नहीं होगी। ये तीन करोड़ लाठीवान, सत्तावान, कलमवान भारत की 135 करोड़ आबादी पर वैसे ही राज करते हुए जैसे अंग्रेज, मुगल अपने कोतवालों के जरिए आजादी से पहले करते थे।

15 अगस्त 1947 से पहले भारत का आम अनपढ़, गरीब भी गांधी, नेहरू, भगत सिंह के चेहरों से विश्वास बना बैठा था कि आजादी मिलेगी तो रामराज्य आएगा। अपनी सरकार होगी। विदेशियों की लूट और भ्रष्टाचार खत्म होगा। थानेदारों, पुलिसवालों, अफसरों की मनमानी खत्म होगी। लगान वसूली घटेगी। गुलामी के समय लोगों का जीवन तब बेसुध और बेबस था। फिर भी वे आजादी के लिए लड़ाई लड़ रहे नेताओं के चेहरों से उम्मीद बनाते हुए थे। हजार साल की गुलामी से मुर्दा हुई कौम जिंदा होती हुई थी। और ठीक पचहत्तर साल बाद सन् 2022 में आज क्या सीन है? हिंदू क्या मान रहा है? मुसलमान क्या जान रहा है? जातियां क्या चाह रही हैं? आबादी याकि जात-पात और लोगों में या तो भूख है या बदले की भावना है या भय है! इतने विशाल पैमाने पर, अखिल भारतीय स्तर पर, भारत के इतिहास में 75 सालों का जीवन आज भी संसद से यह सुनता हुआ है कि देश के लोगों हमारे नेता का शुक्रिया करो, जो अनाज मिल रहा है। भूखे नहीं मर रहे हो। क्या दुनिया में इस तरह जलालत में जीने वाली कोई दूसरी कौम है?

किसी भी तरह सोचें, इस सवाल का जवाब त्रासद होगा कि 75 वर्षों के सफर के बाद भारत के एक सौ चालीस करोड़ लोग आज जैसे स्वभाव और व्यवहार में ढलते हुए हैं वह अमृत है या विष?

इक्कीसवीं सदी और उसका तीसरा दशक.. भारत का नागरिक, समाज और सरकार जिस आचार-विचार से जी रहे हैं वह है क्या?

हिसाब से आजादी के 75 वर्षों में भारतीयों में यह समझने की बुद्धि बननी थी कि दुनिया की अन्य प्राचीन सभ्यताओं की तुलना में हमने अपने सफर में क्या पाया, क्या गंवाया लेकिन दुर्भाग्य जो समझदारी नहीं बनी। आजादी से पहले की तरह ही खामोख्याली, मूढ़ता, भक्ति, गुलामी और भय की तंत्रिकाओं में भारतीय मष्तिष्क जकड़ा हुआ है। न सत्य देख, सुन और समझ सकता हैं और न विचार कर सकता है इसलिए अहम सवाल है कि आजादी ने लोगों को और भारत माता को क्या दिया है? 15 अगस्त 1947 के बाद 140 करोड़ लोगों के जीवन जीने की क्वालिटी में कैसी क्या श्रीवृद्धि हुई है? भारत राष्ट्र-राज्य में जीना स्वर्ग, रामराज्य माफिक है या जीने की मुश्किलों का नरक है? पंडित नेहरू का आइडिया ऑफ इंडिया हो या नरेंद्र मोदी का आइडिया ऑफ इंडिया, इन सबसे भारत और खासकर हिंदुओं की सभ्यता-संस्कृति का क्या बना? हिंदुओं की प्राचीन सनातनी संस्कृति की गरिमा और गौरव की श्रीवृद्धि हुई या वह उलटे उज्जड़, जंगली, अंधविश्वासी, नकलची, बुद्धिविहीन मानव स्वभाव से कलंकित हैं? सबसे बड़ी और गंभीर बात जो भारतीयों का जीना बिना इस सुध के है कि बाकी सभ्यताएं कैसे आगे बढ़ी हैं, वे कैसा जीवन जी रहे हैं और हम कैसा?

चुनाव दर चुनाव बढ़ती चली गई सबकी भागीदारी

संजय कुमार, प्रोफेसर व पूर्व निदेशक, सीएसडीएस

पिछले सात दशकों में अपने यहां चुनावों में मतदाताओं, उम्मीदवारों और राजनीतिक दलों की भागीदारी में जबर्दस्त वृद्धि हुई है। चुनावी लोकतंत्र का अर्थ भी यही है, राजनीतिक प्रक्रिया में लोगों की सहभागिता और मतदान में मतदाताओं की सक्रिय भागीदारी। बीते चुनावों में वोट प्रतिशत में अच्छी-खासी वृद्धि देखी गई है। पहले आम चुनाव (1952) में यह 46 प्रतिशत था, जो 2019 के आम चुनाव में बढ़कर 67 फीसदी हो गया। मतदान प्रतिशत के लिहाज से 2014 का आम चुनाव महत्वपूर्ण रहा, क्योंकि उस चुनाव में 2009 की तुलना में आठ प्रतिशत की वृद्धि हुई थी, यानी 58 प्रतिशत से बढ़कर 66 फीसदी। यह प्रवृत्ति 2019 के लोकसभा चुनाव में भी जारी रही। यहां 1984 के चुनाव को अपवाद मानना चाहिए, क्योंकि इंदिरा गांधी की हत्या के बाद हुए उस चुनाव में 64 प्रतिशत तक मतदान हुआ था।

हालांकि, लोकसभा चुनाव की तुलना में विधानसभा चुनाव में अधिक मत पड़ते हैं। इसकी वजह यह हो सकती है कि केंद्र की नीतियों को खारिज करने के लिए राज्य द्वारा अपने तईं कई योजनाएं चलाई जाती हैं, जिनका लाभ लोगों को विधानसभा में मतदान करने के लिए प्रेरित करता है। ठीक इसी तरह, शहरी मतदाता ग्रामीण वोटरों की तुलना में कम मतदान करते हैं। पिछले कुछ लोकसभा चुनावों के आंकड़े बताते हैं कि शहरी निर्वाचन क्षेत्रों में औसत मतदान की तुलना में कम मत डाले गए, जबकि गांवों-कस्बों में औसत से कुछ अधिक वोट पड़े।

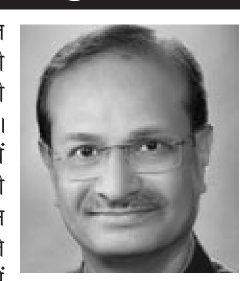

मंडल-पूर्व काल में हुए चुनावों में धनी व उच्च वर्ग, शिक्षित व उच्च जातियों के अधिक वोट देने की परिपाटी भी दिखती है, लेकिन मंडल-बाद के वर्षों में इस ट्रेंड में बदलाव दिखा। अब दलित मतदाता भी बढ़-चढ़कर मतदान करने लगे हैं। 1996 के लोकसभा चुनाव और उसके बाद हुए चुनावों में मतदान-प्रक्रिया में दलितों की भागीदारी बढ़ी है, हालांकि ऐसा हर चुनाव में नहीं दिखा। फिर भी, यह संतोष का विषय है कि देश के तमाम हिस्सों में दलित अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने लगे हैं। आदिवासियों की कहानी भी इससे बहुत अलग नहीं है। उनमें भी मतदान का प्रतिशत बढ़ा है और अब यह राष्ट्रीय औसत से अधिक हो गया है।

रही बात मुसलमानों की, तो 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में उनके वोट डालने का प्रतिशत औसत मतदान से कुछ कम रहा। 2004 के लोकसभा चुनाव में भी यही दिखा था। मुसलमानों के कम संख्या में घर से बाहर निकलने की वजहों में एक वजह यह हो सकती है कि 2014 और 2019 के आम चुनावों में भाजपा की तरफसे प्रधानमंत्री पद का चेहरा नरेंद्र मोदी थे, और उनसे मुसलमानों का मोहभंग जगजाहिर है। वैसे, 1998 और 1999 के लोकसभा चुनावों में मुसलमानों की महत्वपूर्ण भागीदारी देखी गई थी। एक बड़ा बदलाव, जो भारतीय चुनावों में देखा जा सकता है, वह है, मतदान में महिला मतदाताओं की बढ़ती भागीदारी। चुनावों में लैंगिक अंतर पहले काफी ज्यादा था। 1950 और 1960 के दशकों में हुए आम चुनावों में 15 प्रतिशत से अधिक का लैंगिक अंतर देखा गया था, जो काफी लंबे समय तक 10 फीसदी के करीब बना रहा। 2009 में यह अंतर सिमटकर चार प्रतिशत पर आ गया, जबकि 2014 के आम चुनाव में 1.6 प्रतिशत और 2019 के चुनाव में तो एक प्रतिशत से भी कम हो गया। कई राज्यों में तो महिलाओं ने मतदान का रिकॉर्ड बनाया है।

गुजरे वर्षों में न सिर्फदेश भर में मतदान प्रतिशत बढ़ा है, बल्कि चुनाव-दर-चुनाव उम्मीदवारों और राजनीतिक दलों की संख्या भी बढ़ी है। 1952 के आम चुनाव में 1,874 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला हुआ था, जबकि 2019 के चुनाव में यह संख्या बढ़कर 8,040 हो गई। 1996 के लोकसभा चुनाव में तो यह संख्या सर्वाधिक 13,952 थी। पर बाद में इसमें इसलिए कमी आई, क्योंकि एक समय में दो से अधिक जगहों से उम्मीदवारों के मतदान लड़ने पर रोक लगा दी गई। फिर भी, पिछले तीन लोकसभा चुनाव में यह संख्या 8,000 से अधिक रही है। यही हाल राजनीतिक दलों का है। सन 1952 के चुनाव में केवल 27 पंजीकृत दलों ने चुनाव लड़ा था, 2019 के चुनाव में यह संख्या बढ़कर 652 हो गई। जाहिर है, अब देश के अधिक से अधिक राजनीतिक दल लोकसभा व विधानसभा के चुनाव लड़ने लगे हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

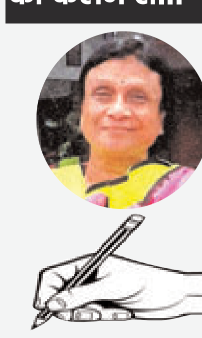

हमारा पशु जैसा
जीवन बीता वो ही,
लड़ना-झगड़ना पर
शुद्ध-बुद्धि मन पाते
हुए भी ईर्ष्या, क्लेश
दुराचार पाया।

-अंजली जैन
7024460938

भूपेन्द्र बाबू का सरल व्यक्तित्व और ‘बूंद-बूंद सच: एक सागर का’ पुस्तक

विकाश कुमार

बिहारभूमि में ऐसे अनेकों नायकों की अमरकथाएं मिलती है जिनके व्यक्तित्व प्रेरणा प्रदान करते है आज की राजनीति को , आर्थिक योजनाओं के क्रियान्वयन को , संसाधनों के वितरण और युवा पीढ़ी की कर्मठता को । ऐसे अमर साधकों की कहानियाँ (क्योंकि शरदेन्दू जी ने अपनी पुस्तक में उन्हे अमर साधक कहा) न सिर्फ सैद्धांतिक पक्ष को विवेचित करती है ,बल्कि जमीनी हकीकतों को बयां और और आमजनमानस के उस सामाजिक उत्पीड़न को भी प्रदर्शित करती है जिसका दन्स तत्कालीन समाज झेल चुका होता है,क्योंकि ऐसे नायक किसी विचारधारा या समुदाय से भले ही तालुक रखते हो परंतु मानववाद की व्यावहारिक प्रतिमा इनके अन्त:मानस में बसी होती है जिसका साकार रूप उनके द्वारा किए गए कृत्यों से परिणित हो जाता है । ऐसे ही मेधा के धनी विहार के सपूत भूपेन्द्र नारायण मण्डल थे जो व्यावहारिक रूप में समाजवाद को जीते थे और मानववाद को श्रेष्ठतम आधार बनाकर सम्पूर्ण जीवन बिहार की जनसेवा में अर्पित कर दिया । इनके बारे बहुत अधिक साहित्यिक सामग्री अभी तक उपलब्ध नहीं है ,परंतु जिन साहित्यकारों और लेखकों ने इनके विचारों और कृत्यों को लिपिबद्ध किया उनमें से एक डॉ भूपेन्द्र मधेपुरी जी की पुस्तक ‘ बूंद-बूंद सच: एक सागर का’ प्रमुख है जिसमें इनके व्यावहारिक जीवन और उनके साथ गुजारे अनुभवों को साझा करती है । इस पुस्तक की प्रासंगिकता यह है की प्रासंगिकता यह है की मधेपुरी जी ने उन सभी तथ्यों को संकलित किया है जिनका व्यावहारिक सरोकार भूपेन्द्र बाबू से है । पुस्तक का प्रारंभ प्रेरणा नामक खंड से होता है जिसमें लेखक उन सभी बातों को उद्धृत करते है की उनको इस पुस्तक के लिखने की प्रेरणा कब और कैसे मिली ? क्योंकि आमतौर पर यह देखा जा रहा है कि क्षेत्रीय लेखन और सामाजिक परिदृश्य को लिपिबद्ध करने के लिए जमीनी जगत से जुड़ना अनिवार्य और अपरिहार्य हो जाता है । जब तक लेखक के अपने अनुभव प्रशफूटित होकर उसके लेखन में समाहित नहीं होते है तब तक उसका कमतर महत्व होता है इसलिए इस पुस्तक में लेखक कभी नायक से संवाद करते है तो कभी अपने अनुभवों को साझा करते है जैसे तूँ कभी दिल्ली देखो हो ? अच्छा तो कल तैयार हो जाओ दिल्ली चलना मेरे साथ इसमें नायक (भूपेन्द्र बाबू) स्वयं संवाद कर रहे होते है ,परंतु जब वह उनकी अनुमति लेकर घर चल देते है तो वह स्वयं से अपने भाव और अनुराग को प्रदर्शित करते है । जैसे जब मैंने उनके जुबान से उनके साथ चलने की बात काही तब मेरा हृदय प्रफुल्लित हो गया है मेरे मन में ऐसे भाव आने लगे जैसे मैं दिल्ली भ्रमण के लिए उनके साथ चल दिया हूँ। इस पुस्तक में कहीं-कहीं भोजपुरी भाषा का भी प्रयोग किया गया है जैसे जब मुझसे उन्होंने पूछा की तुम्हें सबसे अधिक क्या लगा है दिल्ली में तब मैंने कहा लाल किला ,इण्डिया गेट ।। दोनों नीक लागलैय ,लेकिन हमरा सबसे बेशी नीक जे दिल्ली सनक शहर में मर्द और औरत खातिर बस में अलग-अलग कोनों सीट ना है छै । दिल्ली में आ माने में दोनों समान है छै । इस पुस्तक में गद्य के साथ पद्य का भी प्रयोग विभिन्न अध्याओं और खंडों में हुआ है । इसका उद्धरण इन पंक्तियों से स्पष्ट हो जाता है । जैसे जब मैंने उन्हे दिल्ली घूमने का अपना अनुभव बताया तब वह सिर हिलाकर सहमति दी और लेखक में उस भावभंगिमा का वर्णन इन पंक्तियों में किया --

जगमग नगरों से दूर कहीं ,है जहां न ऊंचे खड़े महल ।
टूटे-फूटे कुल कच्चे घर ,दिखते खेतों में चलते हाल ।।
रहिमा-रमुआ की नांव में ,है अपना हिंदुस्तान कहाँ ?
वह बसा हमारे गाँव में !

इस प्रकार से यह पुस्तक अनेकों आयामों को प्रदर्शित करती है। भूपेन्द्र बाबू के जीवन के बारे में मनसुख का बचपन और छात्र जीवन नामक एक अध्याय है जो उनके जीवन का चित्रण करता है उनके परिचय का संक्षिप्त प्रस्तुति आवश्यक है । भूपेन्द्र बाबू का जन्म 1 फरवरी,(1904) को बिहार के छोटे से गांव रानीपट्टी(मधेपुरा जिले के अंतर्गत) मे जन्में बी0 एन0 मंडल साहब ने क्षेत्रीय राजनीति में सक्रियता निभाते हुए अंतरराष्ट्रीय नायकों किस श्रेणी में, कर्म को प्रधान मानते हुए अपने आप को पहुंचाया। जैसे कि कहा जाता है ‘होनहार बलवान के होत चिकने पात’ अत: मंडल साहब बचपन से मेधावी विद्यार्थी, सक्रिय राजनीतिक कार्यकर्ता, जन हितैषी, मानवता मात्र से प्रेम करने वाले तथ्यों को तर्कों की कसौटी में कसकर विश्लेषणशील व्यक्तित्व के धनी थे।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे
9827806026, 7869620239

महक सेनीटेशन
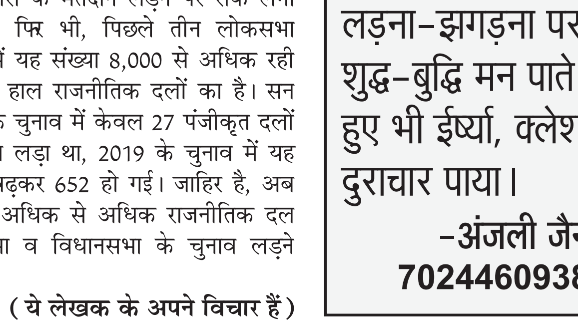

सी पी फिटिंग व सेनेटरी की भव्य रेंज किफायती दरों में
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें

अनिल गुप्ता
मो. 9300280144
शाप नं. 102, 103, किशोर प्लाजा, ग्रीन चौक दुर्ग (छ.ग.)
अनिल गुप्ता, मो. 9300280144

Sargam Musicals

Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
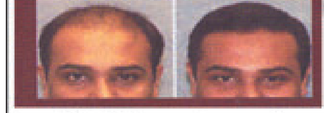

JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

लक्ष्मी ज्वेलर्स

कुशल
9770584111
8959994444
स्टेशन रोड, कर्नाटका बैंक के सामने, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

नगपुरा में स्वामी आत्मानंद स्कूल में अव्यवस्था पर नाराज हुए कलेक्टर, प्राचार्य को शो काज नोटिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगपुरा में स्वामी आत्मानंद स्कूल में लैब सामग्री आ चुकी है लेकिन इसे अभी तक व्यवस्थित नहीं किया जा सका है। इसके साथ ही स्कूल में नवाचार किये जाने के प्रति उदासीनता को लेकर कलेक्टर श्री पुष्पेंद्र कुमार मीणा नाराज हुए। उन्होंने संस्थान की प्राचार्य श्रीमती जान को नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि जिले के शेष स्वामी आत्मानंद स्कूलों में बहुत अच्छा काम हो रहा है। प्राचार्य नवाचार कर रहे हैं, अपनी संस्था को सुंदर और गुणवत्तायुक्त बनाने के प्रयास कर रहे हैं लेकिन नगपुरा में ऐसा नहीं दिख रहा। कलेक्टर ने यहां की दिक्कतों के बारे में शिक्षकों से पूछा।

शिक्षकों ने बताया कि अज्ञात तत्वों द्वारा ब्वायज टायलेट को तोड़ दिया गया है। मच्छर काफी हैं। इस पर कलेक्टर ने आरईएस अधिकारियों से इसके मरम्मत के निर्देश दिये। साथ ही उन्होंने निकासी को बेहतर बनाने एवं जलभराव वाले गड्ढों में कैरोसीन डलाने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने स्कूल कैंपस का निरीक्षण भी किया। यहां काफी गंदगी थी। इस पर उन्होंने नाराजगी जाहिर की। उन्होंने शिक्षा अधिकारियों से स्कूल की व्यवस्था को ठीक करने कहा। यहां स्टाफ के अतिरिक्त अन्य तरह की संसाधनों की जरूरत के संबंध में भी प्रस्ताव देने उन्होंने कहा। इस मौके पर जिला पंचायत सीईओ अश्विनी देवांगन, एसडीएम मुकेश रावटे, सीईओ लवकेश ध्रुव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण भी किया। उन्होंने बोरई के आंगनबाड़ी केंद्र में कार्यकर्ता से दिक्कतों के बारे में पूछा। कार्यकर्ता ने बताया कि यहां सांप निकलते हैं। केंद्र को खोलने से पहले चेक करते हैं। इस पर कलेक्टर ने आरईएस अधिकारियों को इसे ठीक करने उपाय करने कहा। इसके लिए भवन का ड्रेनेज सुधारने के साथ ही इसकी ऊंचाई बढ़ाने भी निर्देश दिये। कलेक्टर ने रसमड़ा के पांच नंबर आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण भी किया। यहां बच्चे नहीं दिखे।

कार्यकर्ता ने बताया कि पांच बच्चे आये थे। वे चले गये हैं। इस पर कलेक्टर ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र में पूरे समय बच्चों को रखकर खाना खिलाने के बाद एक्टिविटी करानी है ताकि उनका शारीरिक के साथ ही मानसिक विकास भी हो। केवल भोजन कराना ही जिम्मेदारी नहीं है। उन्होंने इसके लिए कार्यकर्ता और सुपरवाइजर को नोटिस जारी करने के निर्देश दिये।

टीकाकरण की प्रगति देखी, अस्पताल का भी किया निरीक्षण

कलेक्टर ने रसमड़ा और बोरई में टीकाकरण कार्य की प्रगति देखी। उन्होंने स्थानीय अमले को कहा कि हर घर जाएं और लोगों को इसके लिए प्रोत्साहित करें। बूस्टर डोज का पूरा लक्ष्य हासिल करना है ताकि कोरोना से बचाव के लिए ठोस प्रतिरोधक क्षमता लोगों में बनी रहे। कलेक्टर ने रसमड़ा में पीएचसी के नये भवन का निर्माण भी देखा और गुणवत्तापूर्वक कार्य करने के लिए निर्देश दिये। दमोदा और बोरई में कलेक्टर ने गौठान भी देखे। उन्होंने छह आजीविकामूलक गतिविधियों को अनिवार्यत: सभी गौठानों में आरंभ करने निर्देश दिये। इसके साथ ही उन्होंने गनियारी में बाड़ी भी देखी। यहां जिमीकंद की फसल लगाई गई है। कलेक्टर ने इसे सात एकड़ तक विस्तारित करने के निर्देश दिये। साथ ही यहां पर पपीता और केले लगाने के लिए कहा। सीईओ श्री देवांगन ने कहा कि डबरियों में हार्ड मछली डालें ताकि उनकी उत्तरजीविता की संभावना अधिक रहे।

जीवन में आगे बढ़ने के लिए अपना लक्ष्य तय करें : डॉ. एस भारतीदासन

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। मुख्यमंत्री, स्कूल शिक्षा, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं जिले के प्रभारी सचिव डॉ. एस भारतीदासन ने आज स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय योजनांतर्गत संचालित पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय का निरीक्षण किया। प्रभारी सचिव डॉ. एस भारतीदासन ने कक्षा सातवीं के बच्चों से बातचीत कर उनकी शिक्षा की गुणवत्ता को परखा। संस्कृत की किताब सुरभि से उन्होंने बच्चों को पाठ पढ़ने के लिए कहा।

उन्होंने कहा कि आप सभी बच्चे उत्कृष्ट विद्यालय में पढ़ रहे हैं और आपकी पढ़ाई उत्कृष्ट होनी चाहिए। इसके लिए मेहनत करें। उन्होंने अंग्रेजी की किताब से कविता सुनाने के लिए बच्चों से कहा। प्रभारी सचिव ने बच्चों को नई किताब शीघ्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि बच्चों को ऐसे सिखाएं कि आपको जिंदगी भर याद रहे। उनसे प्रतिदिन प्रश्न पूछे, जिससे उन्हें याद रहेगा। आप बच्चों के भविष्य को गढ़ रहे हैं। यह बहुत जरूरी है कि उन्हें प्रोत्साहित कर आगे बढ़ाएं।

प्रभारी सचिव डॉ. एस भारतीदासन ने कक्षा 10वीं में बच्चों से विज्ञान से संबंधित प्रश्न पूछे। खाने के सोडा का सूत्र, टमाटर में कौन सा एसिड होता है जैसे प्रश्न पूछकर उनके शिक्षा के गुणवत्ता का परीक्षण किया। उन्होंने बच्चों को पढ़ाई के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि जीवन में एक लक्ष्य निर्धारित करें और उसके अनुसार मेहनत करें। उन्होंने बच्चों को समझाते हुए बताया कि जिस तरह ट्रेन को पता होता है कि मंजिल कहा है, उसी तरह जीवन में आगे बढ़ने के लिए आपको अपना लक्ष्य तय करना होगा। प्रतिदिन अध्ययन करने पर कोई भी विषय कठिन नहीं लगेगा। उन्होंने रसायन एवं जीव विज्ञान लैब का भी अवलोकन किया।

इस अवसर पर कलेक्टर श्री डोमन सिंह, जिला पंचायत सीईओ श्री गजेन्द्र सिंह ठाकुर, एसडीएम राजनांदगांव श्री अरूण वर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी श्री आरएल ठाकुर, परियोजना अधिकारी जिला साक्षरता मिशन श्रीमती रश्मि सिंह, स्कूल की प्राचार्य सहित अन्य अधिकारी एवं शिक्षक उपस्थित थे।

खास खबर

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के छत्तीसगढ़ प्रभारी पी.एल. पुनिया का 3 दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास

रायपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के छत्तीसगढ़ प्रभारी पी.एल. पुनिया 13 अगस्त 2022 शनिवार को नियमित विमान सेवा द्वारा शाम 5.10 बजे रायपुर पहुंचेंगे। शाम 7 बजे सर्किट हाउस में कांग्रेसजनों के साथ बैठक। 14 अगस्त 2022 रविवार को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के छत्तीसगढ़ प्रभारी पी.एल. पुनिया विधानसभा स्तरीय आजादी की गौरव यात्रा कार्यक्रम में शामिल होंगे।

15 अगस्त 2022 सोमवार को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के छत्तीसगढ़ प्रभारी पी.एल. सुबह 8.30 बजे राजीव भवन रायपुर में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में भाग लेंगे। दोपहर 3 बजे गांधी मैदान रायपुर में आजादी की 75वीं वर्षगांठ पर आयोजित गौरव यात्रा के समापन सभा में शामिल होंगे। वे रात 8.20 बजे नियमित विमान सेवा द्वारा रायपुर से दिल्ली के लिये रवाना होंगे।

एक शाम देश के नाम कार्यक्रम कल

जगदलपुर। 75 वें आजादी का अमृत महोत्सव भारतीय जनता पार्टी सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के द्वारा सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम एक शाम देश के नाम 14 अगस्त शाम 6:00 बजे स्वर संगीत म्यूजिकल ग्रुप जगदलपुर की विशेष सहयोग से जगदलपुर की सिरहासार भवन में आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में शहर के गायक कलाकार देशभक्ति के गीत पेश करेंगे। कार्यक्रम में सेना के शहीद परिवारों के सदस्यों को सम्मानित किया जाएगा। आधारित इस कार्यक्रम के आयोजन में भारतीय जनता पार्टी सांस्कृतिक प्रकोष्ठ एवं सहयोगी के रुप में स्वर संगीत म्यूजिकल ग्रुप ने शहर के लोगों से इस कार्यक्रम में उपस्थित होने की अपील की है।

जल जीवन मिशन के कार्यों में लापरवाही होने पर गहरी नाराजगी जाहिर की

अभियान चलाकर जल जीवन मिशन के अंतर्गत कार्य करने की आवश्यकता - प्रभारी सचिव

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। मुख्यमंत्री, स्कूल शिक्षा, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं जिले के प्रभारी सचिव डॉ. एस भारतीदासन ने आज ग्राम मनकी में क्लोरीनेटर कक्ष, जल जीवन मिशन के कार्य, शासकीय पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी कन्या स्कूल, ग्राम देवादा में जल जीवन मिशन के कार्य, अमलीडीह गौठान का निरीक्षण किया। प्रभारी सचिव डॉ. भारतीदासन ने क्लोरीनेटर कक्ष के अवलोकन के दौरान पानी को स्वच्छ करने की प्रक्रिया के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने जल जीवन मिशन के तहत किए जा रहे कार्यों के जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन की जानकारी लेने के लिए ग्रामीणों से बात की। उन्होंने ग्रामवासियों के घर में जाकर पानी की मात्रा एवं प्रेशर तथा क्लोरीन की मात्रा की जांच की।

ग्रामवासियों ने शिकायत करते हुए बताया कि 2 दिन से जल की आपूर्ति नहीं हो रही है। सचिव डॉ. भारतीदासन ने जल जीवन मिशन के कार्यों में लापरवाही होने पर गहरी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने एसडीओ लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं सब इंजीनियर को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने एसडीओ को जल आपूर्ति में आने वाली तकनीकी समस्या को तत्काल दूर करने के निर्देश दिए। सचिव ग्राम मनकी में गौठान के लिए प्रस्ताव बनाने के निर्देश दिए। जिले में जल की आवश्यकता, गुणवत्ता परीक्षण का जायजा लेने के लिए एनएबीएल से मान्यता प्राप्त जिला जल परीक्षण प्रयोगशाला पहुंचे। वहां उन्होंने केमिकल एनालिसिस स्टोर रूम, आर्सेनिक एनालिसस रूम का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि जिले में आर्सेनिक प्रभावित गांवों में जल के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करें। आर्सेनिक वाले स्त्रोतों को बंद करने के निर्देश दिये। अभियान चलाकर जल जीवन मिशन के अंतर्गत कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पेयजल एवं निस्तारी के लिए पानी की पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए। प्रभारी सचिव ने ग्राम देवादा में निरीक्षण करने के दौरान नल कनेक्शन बिना टोटी के पाये जाने पर नाराजगी व्यक्त की एवं सरपंच को टोटी लगाने तथा पंप जब्त करने का भी निर्देश दिया। इस दौरान कलेक्टर श्री डोमन सिंह, जिला पंचायत सीईओ श्री गजेन्द्र ठाकुर उपस्थित रहे।

गांव के सभी पशुपालकों का पंजीयन कराने के दिए निर्देश -

प्रभारी सचिव डॉ. भारतीदासन ने ग्राम अमलीडीह में रूरल इंडस्ट्रियल पार्क का अवलोकन किया। वहां उन्होंने डबल स्टोरी बिल्डिंग में किए जा रहे बकरीपालन एवं मुर्गीपालन की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि मुर्गी पालन से महिलाओं को अच्छी आय हो रही है। व्यापक पैमाने पर किए जा रहे मुर्गीपालन के बाद बिक्री पर ध्यान देने के लिए कहा। गौठान में साहीवाल एवं गीर, थारपारकर नस्ल की गायों का पालन किया जा रहा है। समूह की महिलाओं ने उन्हें बताया कि प्रतिमाह पशुपालन से लगभग 50 हजार रूपए की आय हो रही है। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन यहां का दूध डोंगरगांव में डेयरी में भेजा जा रहा है। प्रभारी सचिव ने कहा कि शासन की योजनाओं के तहत गौठानों में पशुपालन को बढ़ावा दें। पशुपालन विभाग समूह की महिलाओं को मार्गदर्शन देने के साथ ही मदद करें। गोधन न्याय योजना अंतर्गत गांव के सभी पशुपालकों का पंजीयन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सामुदायिक बाड़ी का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने समूह की महिलाओं से कहा कि सब्जियों की बिक्री करने के साथ ही हिसाब भी रखें।

उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों से कहा कि बाड़ी में किसी भी तरह के कीट एवं रोग होने पर इसका उपचार करें। उन्होंने बाड़ी में भिंडी, सेम, बरबट्टी की फसल का अवलोकन किया। उन्होंने बॉयोफ्लॉक पद्धति द्वारा किए जा रहे मस्त्य पालन एवं मशरूम उत्पादन का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि इसे आगे बढ़ाए। समूह की महिलाओं से उन्होंने गौमूत्र का परीक्षण करने के लिए कहा। महिलाओं ने किट के माध्यम से गौमूत्र का परीक्षण किया। जिसमें उन्होंने का पानी की मात्रा के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर एसडीएम राजनांदगांव अरूण वर्मा, एसडीएम डोंगरगांव सुनील नायक, कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी समीर शर्मा, जनपद सीईओ श्रीमती रोशनी भगत सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

तिरंगा हमारी आन-बान-शान है : कवासी लखमा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारत की आजादी के 75वें वर्ष को पूरे देश में आजादी के अमृत महोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। आजादी के अमृत महोत्सव में हर घर तिरंगा अभियान की भी शुरुआत की गई है। इस मौके पर हर जगह अनेक आयोजन हो रहे हैं। इसी कड़ी में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की 223वीं वाहिनी की ओर से दोरनापाल से लेकर सुकमा तक तिरंगा रैली का आयोजन किया गया।

इस रैली में राज्य के उद्योग एवं आबकारी मंत्री श्री कवासी लखमा शामिल हुए और तिरंगा लहराया। इस दौरान मंत्री श्री लखमा ने देश की स्वाधीनता की 75वीं वर्षगांठ पर सभी को अग्रिम बधाई व शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि तिरंगा देश की एकता के लिए हमारी ताकत है और यह हमारी आन-बान-शान है। मंत्री श्री लखमा ने सुरक्षा जवानों का हौसला बढ़ाया। तिरंगा रैली के दौरान दोरनापाल से सुकमा के बीच अनेक स्थानों पर स्कूली बच्चों और स्थानीय लोगों ने हाथों में तिरंगा थामे रैली का स्वागत पूरे जोश से किया। इस रैली में सुकमा जिला कलेक्टर श्री हरीश एस., पुलिस अधीक्षक श्री सुनील शर्मा, कमांडेट श्री रघुवंश कुमार समेत अनेक अधिकारी उपस्थित रहे।

गौरतलब है कि आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत स्वतंत्रता सप्ताह के अवसर पर हर घर तिरंगा कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इस बीच राज्य शासन की ओर से 11 से 17 अगस्त 2022 तक हमर तिरंगा अभियान का भी आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान के माध्यम से प्रदेश के सभी नागरिकों को अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया जा रहा है ताकि समस्त नागरिकों के मन में देशभक्ति की भावना और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान में वृद्धि हो।

आजादी के अमृत महोत्सव के तहत हर घर झंडा अभियान में मनरेगा मजदूर सहित आम नागरिक फहरा रहे तिरंगा

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चाम्पा। आजादी की 150वीं वर्षगांठ पर अमृत महोत्सव के रूप में मनाई जा रही है। इसको मनाने के लिए महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के मजदूरों के घरों के साथ ही मजदूर जहां पर कार्य कर रहे हैं वहां पर भी तिरंगा झंडा लहरा रहा है। इसके साथ ही आम नागरिक भी तिरंगा फहरा रहे है।

कलेक्टर श्री तारन प्रकाश सिन्हा के मार्गदर्शन में हर घर झंडा अभियान चलाया जा रहा है। जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ फरिहा आलम सिद्दीकी ने बताया कि हर घर झंडा अभियान से महात्मा गांधी नरेगा के जॉब कार्डधारी परिवारों को भी जोड़कर देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत कार्यक्रम चलाया जा रहा है। जिसमें मनरेगा के कार्य स्थल के अलावा उनके घरों पर भी यह तिरंगे झंडे फहराए जा रहे हैं जिसमें सभी मनरेगा के जॉब कार्ड धारी परिवार अ आगे आकर सहभागिता निभा रहे हैं।

शुक्रवार को जनपद पंचायत बलौदा के चारपारा उद्यान में मनरेगा के मजदूरों ने कार्यक्रम अधिकारी श्री हृदय शंकर के नेतृत्व में तिरंगा झंडा फहराया। सभी ने इस दौरान देश की एकता, भाईचारे का संदेश दिया। इस दौरान किसनबाई, लक्ष्मीबाई, सावित्री, संतोषी, सहत्तरीन, सुमरित, कलस्वरी, सुनीता, तुलसी के अलावा पीओ हृदय शंकर श्री शिवसाहू आरएचईओ, उद्यान विकास अधिकारी श्री डीएस तोमर आदि मौजूद रहे।

पहली बार फहराया झंडा

चारपारा ग्राम पंचायत के श्री राजकुमार और श्रीमती सहेतरीनबाई ने अपने घर पर तिरंगा झंडा फहराया। उनका कहना था कि पहली बार अपने घर में आन बान और शान से फहराने का मौका मिला। कलेक्ट्रेट में लगाया गया स्टॉल

जिला कलेक्टोरेट में आमजनता के लिए स्टाल लगाया गया है। जहाँ से आसानी से तिरंगा झंडा खरीदे जा सकते है।

ॐ साईं राम
माँ पुस्तक भंडार

स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर

छत्तीसगढ़ में अब तक 762.9 मिमी औसत वर्षा दर्ज

रायपुर। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2022 से अब तक राज्य में 762.9 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून से 12 अगस्त तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 1778.4 मिमी और सरगुजा में जिले में सबसे कम 302.7 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है। राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सूरजपुर में 415.8 मिमी, बलरामपुर में 369.3 मिमी, जशपुर में 414.7 मिमी, कोरिया में 440.8 मिमी, रायपुर में 580.3 मिमी, बलौदाबाजार में 728.0 मिमी, गरियाबंद में 843.4 मिमी, महासमुंद में 732.6 मिमी, धमतरी में 863.7 मिमी, बिलासपुर में 864.6 मिमी, मुंगेली में 866.8 मिमी, रायगढ़ में 669.0 मिमी, जांजगीर-चांपा में 855.1 मिमी, कोरबा में 562.3 मिमी, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 645.9 मिमी, दुर्ग में 723.5 मिमी, कबीरधाम में 786.8 मिमी, राजनांदगांव में 806.8 मिमी, बालोद में 901.5 मिमी, बेमेतरा में 508.6 मिमी, बस्तर में 1094.5 मिमी, कोण्डागांव में 856.1 मिमी, कांकेर में 970.6 मिमी, नारायणपुर में 861.2 मिमी, दंतेवाड़ा में 1128.4 मिमी और सुकमा में 788.9 मिमी औसत वर्षा रिकार्ड की गई।

छत्तीसगढ़ के सभी स्कूलों में शुरू होंगी स्काउट्स गाईड्स की गतिविधियां

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सभी शासकीय, अशासकीय, एकलव्य विद्यालय और स्वामी आत्मानंद स्कूलों में स्काउट गाइड की गतिविधियों संचालित की जाएंगी। इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा सभी संभागीय संयुक्त संचालक स्कूल शिक्षा और जिला शिक्षा अधिकारियों को जिले के सभी स्कूलों में स्काउट-गाइड, रोवर रेंजर दल का पंजीयन एवं दल संचालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं।

संचालक लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा संबंधितों को जारी पत्र में कहा गया है कि भारत स्काउट्स एवं गाईड्स छत्तीसगढ़ द्वारा राज्य के सभी जिलों में स्काउटिंग-गाइडिंग का कार्य सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है। इस संबंध में प्रदेश के सभी शासकीय, अशासकीय, एकलव्य विद्यालय और स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी और हिन्दी माध्यम स्कूलों में नई शिक्षा नीति के तहत नियमानुसार दल का पंजीयन एवं दल संचालन कराना सुनिश्चित करें, ताकि छात्र-छात्राएं स्काउटिंग-गाइडिंग गतिविधियों में भाग ले सकें।

उल्लेखनीय है कि इसी माह 8 अगस्त को भारत स्काउट एंड गाइड के राज्य परिषद की बैठक में स्कूल शिक्षा मंत्री एवं राज्य अध्यक्ष स्काउट गाइड डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम द्वारा सभी स्कूलों में स्काउट एवं गाइड की गतिविधियां शुरू करने की घोषणा की गई थी। मंत्री डॉ. टेकाम ने कहा था कि राज्य के समस्त जिलों के बच्चों में आत्मविश्वास, चरित्र निर्माण, स्वस्थ आदतों एवं जीवन कौशल विकास के लिए उन्हें श्रम की महत्ता को समझाते हुए कुशलता से सेवाभावना विकसित किए जाने के उद्देश्य से स्काउट एवं गाइड परियोजना को प्रदेश के सभी स्कूलों में लागू किया जाना आवश्यक है।

वर्ल्ड इकोनामिक फोरम ने की छत्तीसगढ़ की तारीफ

वनवासियों ने ही जंगल को बचाया, वे ही वनों के रक्षक: मुख्यमंत्री बघेल

वन संरक्षण के लिए किए जा रहे कार्यों को मिली सराहना

वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से परिचर्चा में शामिल हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वर्ल्ड इकोनामिक फोरम द्वारा विश्व स्तर पर वन ट्रिलियन ट्री योजना पर काम किया जा रहा है। इस योजना के अंतर्गत वर्ल्ड इकोनामिक फोरम पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में काम कर रहा है। छत्तीसगढ़ में पर्यावरण संरक्षण को और कैसे बेहतर बनाया जा रहा है इस संबंध में वन ट्रिलियन ट्री कार्यक्रम की प्रमुख निकोल सेवाड के साथ मुख्यमंत्री भूपेश बघेल वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से परिचर्चा में शामिल हुए। इस परिचर्चा में भारत में वन ट्रिलियन ट्री कार्यक्रम की संचालक सुश्री रित्विका भट्टाचार्य और सुश्री भैरवी जानी ने कार्यक्रम के बारे में मुख्यमंत्री को जानकारी दी।

परिचर्चा में वर्ल्ड इकोनामिक फोरम की तरफसे वन ट्रिलियन ट्री की प्रमुख सुश्री निकोल सेवाड ने छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा पर्यावरण संरक्षण, ट्री कवर और फारेस्ट कवर को बढ़ाने के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की तारीफ की। सुश्री निकोल सेवाड ने कहा कि छत्तीसगढ़ के जंगल को अर्थव्यवस्था से जोड़ना एक महत्वपूर्ण कदम है जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ ही आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा दिया जा सकता है।

परिचर्चा में मुख्यमंत्री बघेल ने वर्ल्ड इकोनामिक फोरम के सामने अपनी बात रखते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में साइंटिफिक तरीके से वनों के संरक्षण और भूजल स्त्रोत को रीचार्ज करने का काम किया जा रहा है जिससे छत्तीसगढ़ के नाले 10 से लेकर 30 सेंटीमीटर तक रीचार्ज हुए हैं। मुख्यमंत्री ने वर्ल्ड इकोनामिक फोरम के सामने अपनी बात रखते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में लघु वनोपजों के क्षेत्र में बेहतर काम किया जा रहा है, यदि इनके लिए लघु उद्योगों की स्थापना की जाए तो ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले लोगों को बहुत फायदा होगा और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी लोग जागरूक होंगे।

परिचर्चा में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जंगलों को वन वासियों ने ही बचाया है और वे वनों के रक्षक हैं। छत्तीसगढ़ में 42 फीसदी क्षेत्र जंगलों से घिरा हुआ है और राज्य में 31 फीसदी आबादी आदिवासियों की है जो प्रमुख रूप से वनों पर निर्भर हैं। इन्हें और समृद्ध बनाने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार व्यक्तिगत और सामुदायिक वन अधिकार पट्टों का वितरण कर रही है।

मुख्यमंत्री ने वर्ल्ड इकोनामिक फोरम को सुझाव देते हुए कहा कि मौसम के अनुसार ही यदि हम पौधों का रोपण करें तो वनों के विकसित होने की संभावनाएं ज्यादा रहेंगी और ये तभी हो सकेगा जब इनको पर्याप्त मात्रा में पानी मिलता रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि नरवा योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ सरकार ने यही काम किया है। इससे नालों में पानी रीचार्ज हुआ है और पानी की पर्याप्त मात्रा होने की वजह से जंगल का दायरा बढ़ रहा है।

वर्ल्ड इकोनामिक फोरम के साथ मुख्यमंत्री बघेल की वीडियो कांफ्रेंसिंग परिचर्चा के दौरान अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू और प्रधान मुख्य वन संरक्षक राकेश चतुर्वेदी भी मौजूद थे।

छत्तीसगढ़ राज्य में 39 लाख 80 हजार हेक्टेयर में हो चुकी खरीफ फसलों की बुआई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य में खरीफ फसलों की 39 लाख 80 हजार 980 हेक्टेयर बुआई हो चुकी है, जो निर्धारित लक्ष्य का 83 प्रतिशत है। अब तक खरीफ फसलों के तहत सर्वाधिक 23 लाख 87 हजार 150 हेक्टेयर में धान की बोता बोनी हुई है, जबकि 8 लाख 37 हजार 880 हेक्टेयर में धान की रोपाई हो चुकी है। इसके अलावा मोटे अनाज की 2 लाख 84 हजार 650 हेक्टेयर में, दलहन की 2 लाख 20 हजार 850 हेक्टेयर में, तिलहन की 1 लाख 8 हजार 720 हेक्टेयर में तथा सब्जी एवं अन्य फसलों की 1 लाख 41 हजार 730 हेक्टेयर में बुआई पूरी कर ली गई है।

कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्य में धान की कुल 32 लाख 25 हजार हेक्टेयर में, मक्का की 2 लाख 10 हजार 520 हेक्टेयर में, कोदो-कुटकी की 57 हजार 700 हेक्टेयर में, रागी की 16 हजार 430 हेक्टेयर में इस प्रकार अनाज की कुल बोनी 35 लाख 9 हजार 680 हेक्टेयर में पूरी हो चुकी है, जो कि निर्धारित लक्ष्य का 92 प्रतिशत है। राज्य में दलहन फसलों की कुल बोनी 2 लाख 20 हजार 850 हेक्टेयर में हुई है, जिसमें अरहर 1 लाख 13 हजार 740 हेक्टेयर में, मूंग 13 हजार हेक्टेयर में, उड़द 92 हजार 600 हेक्टेयर में तथा कुल्थी की 1430 हेक्टेयर में बुआई शामिल है। तिलहन फसलों की बोनी 1 लाख 8 हजार 720 हेक्टेयर में हुई है, जिसमें मूंगफली 49 हजार 760 हेक्टेयर में, तिल 18 हजार 620 हेक्टेयर, रामतिल 1330 हेक्टेयर में, सूरजमुखी 150 हेक्टेयर में तथा सोयाबीन की बोनी का रकबा 38 हजार 860 हेक्टेयर शामिल हैं। साग-सब्जी और अन्य फसलों की बुआई 1 लाख 41 हजार 730 हेक्टेयर में पूरी कर ली गई है।

राज्य में चालू खरीफ सीजन में 5 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में धान की प्रचलित किस्मों के स्थान पर सुगंधित धान, जिंक धान, जैविक धान, मक्का, कोदो-कुटकी, दलहन और तिहलन की फसलों के साथ-साथ गन्ना की खेती को बढ़ावा देने के विशेष कार्यक्रम संचालित है। 2 लाख एक हजार 417 हेक्टेयर में प्रचलित धान के बदले अन्य फसलों के खेती के लिए 3 लाख 87 हजार 979 किसानों ने सहमति दी है। अब तक 92,772 किसानों द्वारा 51 हजार 972 हेक्टेयर क्षेत्र में गन्ना एवं अन्य उद्यानिकी फसलों की बुआई भी पूरी कर ली गई है।

लगातार बारिश से सड़क पर हुए गड्ढों को भरने का काम युद्धस्तर पर जारी

टाटीबंध सड़क के गड्ढे भरे गए, वाहनों की आवाजाही हुई आसान

कलेक्टर के निर्देश पर एनएचएआई ने मेटल और मुरुम से भरे गड्ढे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पिछले दिनों से लगातार हो रही बारिश से सड़कों पर हुए गड्ढ़ों को भरने का काम तेजी से युद्ध स्तर पर जारी है। कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर भुरे के निर्देश पर राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अमले ने सबसे पहले टाटीबंध सड़क पर हो गए बड़े बडे गड्ढ़ों को मेटल और मुरूम से पाट दिया है। निर्माणाधीन टाटीबंध ओवर ब्रिज की इस सड़क पर गड्ढ़ों के ठीक हो जाने से वाहनों का आवागमन आसान हुआ है। साथ ही दुर्ग, बिलासपुर और रायपुर शहर की ओर की सड़कों पर वाहनों के जाम की स्थिति से भी निज़ात मिली है।

पिछले तीन चार दिनों से लगातार हो रही बारिश से शहर में निर्माणाधीन टाटीबंध ओवर ब्रिज वाली सड़क पर पानी भरने और भारी वाहनों की आवाजाही से बड़े गड्ढ़े हो गए थे। इन गड्ढ़ों के कारण सड़क पर सभी ओर वाहनों की जाम की स्थिति बन रही थी साथ ही लोगो को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। बारिश के कारण सड़क पर मिट्टी से कीचड़ भी मच गया था जिस से दुर्घटनाओं की भी आशंका थी। ऐसे में कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर भुरे ने मिली सूचनाओं और समाचार पत्रों में छपी खबरों को गंभीरता से लेते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों को तत्काल गड्ढ़ों को भरकर सड़क को आवागमन लायक बनाने के निर्देश दिए थे।

कलेक्टर डॉ भुरे के कड़े निर्देशों पर अमल करते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की टीम ने दिन रात युद्ध स्तर पर काम कर इस सड़क के गड्ढ़ों को मेटल गिट्टी और मुरुम से पाट कंप्रेसिंग कर रोल किया है। बारिश में कमी और थोड़ी धूप ने कर्मियों की सहायता की और सड़क अब वाहनों के आवागमन के लायक हो गई है। सड़क की तात्कालिक मरम्मत और गड्ढ़े भर जाने से अब टाटीबंध से सरोना, सिलतरा, कुम्हारी और भनपुरी सहित शहर के अंदर आने वाली सड़क पर भी वाहन आसानी से चल रहे है। कलेक्टर के निर्देश पर जन सुविधा के लिए शहर की अन्य सड़को पर भी बारिश से हुए गड्ढ़ों को भरने का काम तेजी से किया जा रहा है।

कर्नाटक पुलिस अध्ययन दल का छत्तीसगढ़ प्रवास

कर्नाटक पुलिस के अधिकारियों ने की डीजीपी से मुलाकात

रायपुर। कर्नाटक पुलिस अधिकारियों के अध्ययन दल ने पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा से पुलिस मुख्यालय नया रायपुर में भेंट की। कर्नाटक पुलिस के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अरूण चक्रवर्ती जे के नेतृत्व में डॉयरेक्टोरेट ऑफ सिविल राइटस, इन्फोर्समेंट कर्नाटक के 06 अधिकारियों का दल छत्तीसगढ़ राज्य में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग के व्यक्तियों के विरूद्ध होने वाले अपराधों की विवेचना तथा न्यायालयीन प्रक्रिया का अध्ययन करने के लिये छत्तीसगढ़ राज्य के प्रवास पर आये हुए हैं। उल्लेखनीय है कि अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार अधिनियम के तहत इन वर्ग के लोगों के विरूद्ध होने वाले अपराधों की त्वरित जाँच एवं अपराधियों को न्यायालय द्वारा दंडित कराये जाने के मामले में छत्तीसगढ़ अग्रणी राज्य है, इसलिए कर्नाटक राज्य का पुलिस अधिकारियों का दल अध्ययन के लिए यहां आया हुआ है।

पुलिस मुख्यालय नवा रायपुर में कर्नाटक राज्य में अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लोगों के विरूद्ध घटित होने वाले अपराध और जांच प्रक्रिया को पॉवर प्रजेंटेशन के माध्यम से प्रस्तुत किया। उन्होंने फर्जी जाति प्रमाण-पत्र के आधार पर शासकीय नौकरी तथा वहां की योजनाओं का लाभ लेने वालों के विरूद्ध की जाने वाली जांच प्रक्रिया को भी साझा किया।

पुलिस महानिरीक्षक(अपराध अनुसंधान विभाग) एससी द्विवेदी और संजीव शुक्ला ने छत्तीसगढ़ राज्य में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के विरूद्ध होने वाले अपराधों के जांच की प्रक्रिया के संबंध में अवगत कराया। उन्होंने बताया कि अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के विरूद्ध होने वाली अपराधों की जाँच राजपत्रित पुलिस अधिकारियों द्वारा की जाती है और राज्य शासन द्वारा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के विरूद्ध घटित होने वाले अपराधों की नियमित समीक्षा की जाती है एवं जाँच में तत्परता और उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस अधिकारियों को राज्य शासन की ओर से पुरस्कृत किये जाने का भी प्रावधान है। उप पुलिस महानिरीक्षक मिलेना कुर्रे ने राज्य में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति थानों तथा जिला स्तर से पुलिस मुख्यालय स्तर तक की विभागीय संरचना के बारे में जानकारी दी। उन्होंने पिछले तीन वर्षों के अपराध और विवेचना का तुलनात्मक ब्यौरा भी प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक गुप्तवार्ता आनंद छाबड़ा एवं विधि विभाग के अधिकारियों सहित पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

खाद-बीज और औषधियों की गुणवत्ता की जांच अभियान जारी

बीज-खाद के अमानक नमूनों के लॉटो का विक्रय प्रतिबंधित

रायपुर। कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे के निर्देशानुसार खाद-बीज एवं पौध संरक्षण औषधि की गुणवत्ता की जांच का अभियान राज्य के सभी जिलों में जारी है। कृषि विभाग के जिला स्तरीय अधिकारी अपने-अपने इलाकों में लगातार बीज, खाद और औषधियों के सेम्पल ले रहे हैं, जिसकी जांच गुणवत्ता नियंत्रण प्रयोगशाला में की जा रही है। चालू खरीफ सीजन में अब तक बीज के 88 नमूने तथा रासायनिक उर्वरक के 84 नमूने अमानक पाए गए हैं, जिनके लाट के विक्रय पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाने के साथ ही संबंधित फर्मों को नोटिस जारी किया गया है। कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार चालू खरीफ सीजन में बीज के अब तक 2841 नमूने लेकर प्रयोगशाला में परीक्षण हेतु भेजे गए हैं, जिसमें से 2726 सैंपल मानक स्तर के तथा 88 सैम्पल अमानक पाए गए हैं, 27 नमूने अभी परीक्षण प्रक्रिया में हैं। इसी तरह रासायनिक उर्वरकों की गुणवत्ता की जांच-पड़ताल के लिए कृषि विभाग के उर्वरक निरीक्षकों द्वारा राज्य के विभिन्न उर्वरक विक्रेता फर्मों से अब तक 1700 नमूने लिए गए हैं, जिसमें से 1542 नमूनों की जांच में 1458 नमूने मानक स्तर के तथा 84 अमानक पाए गए हैं। शेष 132 नमूनों की जांच रिपोर्ट प्राप्त होना शेष है। अमानक बीज एवं खाद के लाट के विक्रय को विभाग द्वारा प्रतिबंधित किए जाने के साथ संबंधित संस्थाओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

श्रीदेवी की बर्थ एनिवर्सरीः मिथुन को प्यार का यकीन दिलाने के लिए बोनी कपूर को बांधी थी राखी, जुरासिक पार्क में काम करने से किया था मना

श्रीदेवी बॉलीवुड की पहली फीमेल सुपरस्टार जिन्होंने 300 फिल्मों में किया काम। बतौर प्रोड्यूसर भी फिल्मी इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाई। एक्टिंग में इतनी उम्दा कि उन्हें हॉलीवुड निर्देशक स्टीवन स्पीलबर्ग अपनी फिल्म जुरासिक पार्क के लिए कास्ट करना चाहते थे और उन्हें पद्मश्री से नवाजा भी जा चुका है। श्रीदेवी ने जुरासिक पार्क, बाहुबली, डर और बेटा जैसी फिल्मों के ऑफर को रिजेक्ट कर दिया था।

- श्रीदेवी ने 4 साल की उम्र में फिल्मी दुनिया में कदम रखा था। 1980 और 1990 में श्रीदेवी और अनिल कपूर की जोड़ी बॉलीवुड की पॉपुलर जोड़ियों में से एक थी। दोनों ने साथ में 13 फिल्मों में काम किया है। दोनों ने मिस्टर इंडिया, लम्हे, लाडला और जुदाई जैसी सुपरहिट फिल्में सिनेमा जगत को दी हैं। एक्टर जितेंद्र के साथ भी उनकी जोड़ी को काफी पसंद किया जाता था। जितेंद्र और श्रीदेवी ने करीब 16 फिल्मों में एक साथ काम किया है।
- 1993 में हॉलीवुड डायरेक्टर स्टीवन स्पीलबर्ग अपनी फिल्म जुरासिक पार्क के लिए श्रीदेवी को कास्ट करना चाहते थे। उस समय श्रीदेवी का नाम बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस के लिस्ट में शुमार था, जिस कारण स्पीलबर्ग ने उनसे संपर्क किया था पर एक्ट्रेस ने फिल्म के लिए मना कर दिया था। उनका मानना था कि वो हिंदी सिनेमा के अलावा कोई भी बाहरी देशों की फिल्में नही करेंगी। बाहुबली में भी शिवगामी वाले रोल के लिए श्रीदेवी पहली पसंद थी। उस वक्त डेट के चक्कर में श्रीदेवी ने फिल्म को इनकार किया था। इसके बाद इस रोल को रम्या कृष्णयन ने किया था।
- करियर के शुरुआती दिनों में श्रीदेवी फिल्मों में अपने डायलॉग को खुद हिंदी में डब नहीं कर पाती थीं, इसलिए उनकी बहुत सारी फिल्मों में एक्ट्रेस रेखा और नाज ने डबिंग की थी।
- श्रीदेवी जब 13 साल की थी, तब उन्होंने 1976 में आई तमिल फिल्म में रजनीकांत की सौतेली मां का रोल निभाया था। इस रोल के लिए उन्होंने रजनीकांत से ज्यादा फीस ली थी।
- 1992 में आई फिल्म बेटा माधुरी दीक्षित के करियर की हिट फिल्मों में से एक है, लेकिन ये फिल्म पहले श्रीदेवी को ऑफर की गई थी। उन्होंने इस फिल्म में काम करने से मना कर दिया था क्योंकि वो उस समय अनिल कपूर के साथ बहुत सारी फिल्में कर रही थीं। एक्ट्रेस ने फिल्म डर में भी काम करने से मना कर दिया था क्योंकि उनका मानना था कि इस फिल्म में कुछ नया नहीं था। बाद में इस फिल्म में जूही चावला को कास्ट किया गया था।
- 80 के दौरान श्रीदेवी और मिथुन चक्रवर्ती एक दूसरे को डेट कर रहे थे। ऐसा भी कहा जाता है कि दोनों ने मंदिर में गुपचुप शादी भी कर ली थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, श्रीदेवी को कथित तौर मिथुन की शादीशुदा लाइफ के बारे में नहीं पता था। जब श्रीदेवी को इस बात की जानकारी हुई कि एक्टर योगिता बाली से अपनी शादी को खत्म नहीं कर सकते हैं, तो वो उनकी लाइफ से हमेशा के लिए दूर हो गईं। ऐसा भी कहा जाता है मिथुन और श्रीदेवी के अफेयर के कारण योगिता बाली ने खुदकुशी करने की भी कोशिश की थी।
- किस्सा ये भी है कि श्रीदेवी ने बोनी कपूर की कलाई पर राखी बांध दी थी। ऐसा उन्होंने मिथुन चक्रवर्ती को अपने प्यार का यकीन दिलाने के लिए किया था कि उनके और बोनी कपूर के बीच में कोई भी संबंध नहीं है। फिर बाद में बोनी से ही श्रीदेवी ने शादी कर ली थी। बोनी पहले से ही शादीशुदा थे पर उन्होंने अपनी पहली पत्नी मोना शौरी को तलाक दे दिया था और श्रीदेवी से 1996 में शादी कर ली थी। बोनी को पहली पत्नी से 2 बच्चे, अर्जुन कपूर और अंशुला कपूर हैं और वहीं श्रीदेवी से उन्हें 2 बेटियां खुशी कपूर और जाह्नवी कपूर हैं।
- जब श्रीदेवी अपनी करियर के पीक पर थीं तो उन्हें अमेरिकी और ब्रिटिश इंडियन अमीर फैमिली से शादी के कई प्रपोजल मिले थे।
- 2013 में श्रीदेवी को भारत सरकार ने पद्मश्री से सम्मानित किया था। इंडियन सिनेमा के 100 साल पूरे होने पर 2013 में आयोजित सीएनएन-आईबीएन राष्ट्रीय सर्वेक्षण में उन्हें 100 साल में भारत की सबसे महान एक्ट्रेस की लिस्ट में चुना गया था। श्रीदेवी को बेस्ट एक्ट्रेस के लिए 5 फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिल चुके हैं।
- श्रीदेवी ने फिल्म सांवरिया से अपनी एक्टिंग करियर की शुरुआत करने वाली सोनम कपूर की पेंटिंग बनाई थी, जिसमें सोनम ने नीली ड्रेस पहनी थी। इस पेंटिंग की दुबई में नीलामी भी होने वाली थी जिसके लिए श्रीदेवी मोहित मारवाह की शादी के बाद वहां रुकी थीं। लेकिन दुर्भाग्य से, वहां दुबई के अपने होटल के कमरे के बाथटब में डूब कर उनकी मौत हो गई, जिसके बाद पूरे देश में शोक का लहर थी।

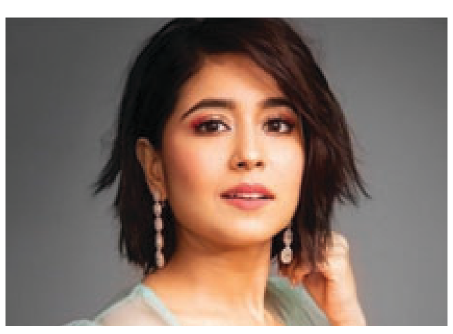

मिर्जापुर 3' की गोलू का 3.0 वर्जनः सीरीज के तीसरे पार्ट के लिए जमकर मेहनत कर रहीं श्वेता त्रिपाठी, जिम में जमकर बहा रही हैं पसीना

अमेजन प्राइम की वेब सीरीज मिर्जापुर सीजन 3 का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इसी बीच गोलू पंडित यानि श्वेता त्रिपाठी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में श्वेता मिर्जापुर सीजन 3 में अपने किरदार को दमदार बनाने के लिए जिम में कड़ी मेहनत करती हुई दिखाई दी। श्वेता त्रिपाठी अपने ट्रेनर के साथ बॉक्सिंग प्रैक्टिस कर रही हैं। वीडियो के बीच में एक टैग लगा हुआ है, जिस पर गोलू 3.0 लिखा है। जिससे ये साफ हैं की मिर्जापुर 3 में गोलू पंडित का किरदार काफी अलग और जबरदस्त होने वाला है। श्वेता के इस वीडियो को फैन्स काफी पसंद कर रहे हैं।

53 वर्षीय हॉलीवुड एक्ट्रेस ऐनी हेचे का निधन, एक हफ्ते पहले हुई थीं हादसे का शिकार

एक हफ्ते तक जिंदगी और मौत से जंग लड़ने के बाद हॉलीवुड अभिनेत्री ऐनी हेचे ने दुनिया को अलविदा कह दिया है। ऐनी हेचे 53 वर्ष की थीं। बीते दिनों उनके कोमा में चले जाने की खबर सामने आई थीं। बता दें कि अभिनेत्री की कार लॉस एंजिल्स के मार विस्टा एरिया में एक जलती बिल्डिंग से जा टकराई थी और वह बुरी तरह झुलस गई थीं। हादसे के बाद से ही वह गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती थीं।

ऐनी हेचे 5 अगस्त को भीषण हादसे के बाद से ब्रेन इंजरी के चलते अस्पताल में बेहोशी की हालत में थीं। ऐने के रिप्रेजेंटेटिव ने एक बयान जारी कर बताया था कि ऐने की बचने की कोई उम्मीद नहीं है और इसी वजह से उन्हें लाइफ सपोर्ट सिस्टम से हटाया जाएगा। साथ ही ऐने के अंगों को दान किया जाएगा। वहीं, अब ऐने को कैलिफोर्निया के कानून के हिसाब से मृत घोषित कर दिया गया है। हालांकि परिवार ने उनके अंगों को दान करने के लिए अभी उन्हें लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर रखा है। ऐनी हेचे के निधन की खबर मिलने के बाद से ही मनोरंजन जगत में शोक है। प्रियंका चोपड़ा ने ऐनी पोस्ट शेयर कर ऐनी के श्रद्धामजलि दी है।

86 साल की हुईं वैजयंती मालाः राज कपूर से जुड़ा नाम तो उनकी पत्नी कृष्णा घर छोड़कर गईं, निमोनिया का इलाज कर रहे डॉक्टर से की शादी

आज वैजयंतीमाला अपना 86वां जन्मदिन मना रहीं हैं। वैजयंतीमाला 50-60 के दशक की बेहतरीन एक्ट्रेस थीं। एक जमाने में डायरेक्टर्स उन्हें अपनी फिल्मों में कास्ट करने के लिए कुछ भी करने को तैयार रहते थे। वैजयंतीमाला ने 13 साल की उम्र में तमिल फिल्म से अपना फिल्मी करियर शुरू किया था। जिसके बाद उन्होंने आशा, नया दौर, साधना, मधुमती जैसी बेहतरीन फिल्में इंडस्ट्री को दी हैं। उन्हें बेहतरीन एक्टिंग के लिए 5 फिल्मफेयर अवॉर्ड से नवाजा जा चुका है साथ ही भारत सरकार ने उन्हें पद्म श्री अवॉर्ड से भी सम्मानित किया है।

अपने फिल्मी करियर में वैजयंतीमाला का नाम कई बड़े एक्टर्स के साथ जुड़ा पर शादी उन्होंने उनके निमोनिया का इलाज कर रहे डॉ चमनलाल बाली से की शादी। फिर फिल्म इंडस्ट्री छोड़ अपना ली पॉलिटिक्स। तो चलिए आज इस सुपरस्टार के बर्थडे के मौके पर इनसे जुड़े कुछ दिलचस्प किस्सों पर नजर डालते हैं।

4 साल की उम्र से सीखा डांस

वैजयंतीमाला का जन्म 13 अगस्त 1936 को लैयंगर ब्राह्मण फैमिली में हुआ था। उनकी फैमिली मद्रास में रहती थी। उनके पिता एम.डी. रमन और मां वसुंधरा देवी थीं। वैजयंतीमाला का जन्म हुआ था तब उनकी मां वसुंधरा देवी तमिल सिनेमा की मशहूर एक्ट्रेस थीं जिनकी मंगामा सबथम तमिल सिनेमा की पहली सुपरहिट फिल्म थी। ऐसे में उनके माता-पिता के पास कम समय होने के चलते उनका पालन-पोषण उनकी दादी यदुगिरी देवी ने ही किया। वैजयंती माला को उनके परिवार ने 4 साल की उम्र से ही डांस सिखाना शुरू कर दिया था। जिसके चलते एक समय बाद वैजयंती कथक, कुचीपुड़ी और उड़ीया जैसे कई डांस परफारमेंस में महारत हासिल कर चुकी थीं।

डांस परफॉर्मेंस देख प्रोड्यूसर एम.वी. रमन ने फिल्म में दिया मौका

एक दिन वैजयंतीमाला चेन्नई गोखले हॉल में भरत नाट्यम की परफारमेंस दे रहीं थीं। इस दौरान प्रोड्यूसर एम. वी. रमन की नजर उन पर पड़ी, तभी एम.वी. रमन ने मन बना लिया कि उनकी अगली फिल्म की एक्ट्रेस वैजयंतीमाला ही होंगी। एम. वी. रमन ने ये बात वैजयंतीमाला के पैरेंट्स को बताई वो तो मान गए पर उनकी दादी ने वैजयंतीमाला के एक्ट्रेस बनने से सख्त मना कर दिया। दरअसल उस वक्त उनकी उम्र महज 13 साल थी ऐसे में उनकी दादी को लगा कि उनकी पढ़ाई और डांस फिल्में करने से इफेक्ट होने लगेगा। जब उनकी दादी को प्रोड्यूसर और वैजयंतीमाला के पैरेंट्स ने मनाया तो वो भी मान गईं। इस तरह वैजयंतीमाला की पहली तमिल फिल्म वड़कई थी। इस फिल्म को खासा पसंद किया गया। फिर जब इसे हिंदी में बनाया गया तो उसमें भी वैजयंती को ही कास्ट किया गया। इस तरह 1951 में फिल्म बहार से उनकी बॉलीवुड में भी एंट्री हो गई।

गीतों ने बनाया नेशनल स्टार

वैजयंती माला को उनके परफार्म किए गीतों से खूब सक्सेस मिली। जब उन्होंने फिल्म नागिन में 'मन डोले, मेरा तन डोले' परफॉर्म किया तो ये गाना सुपरहिट हो गया। इस गीत ने उन्हें नेशनल स्टार बना दिया। ये फिल्म 1954 की हाईएस्ट ग्रोसिंग फिल्म बन गई। इसके अलावा उनके परफॉर्म किए 'होठों पे ऐसी बात...', 'बहारों फूल बरसाओ', 'उड़े जब-जब जुल्फें तेरी' 'मैं का करूं राम मुझे बुड्ढा मिल गया' जैसे गाने जबरदस्त पॉपुलर हुए। ये गीत आज भी लोगों की जुबां पर बसे हुए हैं। इन गीतों ने वैजयंतीमाला को नेशनल स्टार बना दिया। वैजयंती ऐसी पहली साउथ एक्ट्रेस थीं जो नेशनल स्टार बनी थीं।

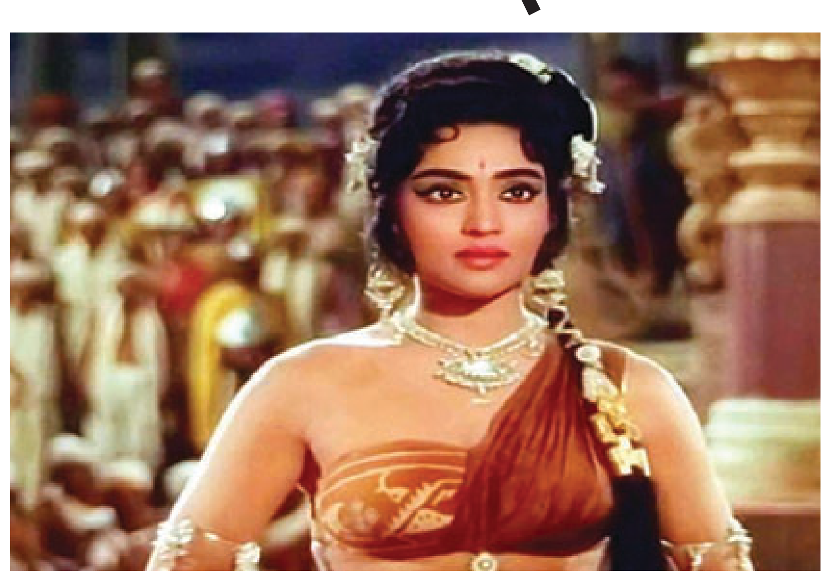

50-60 दशक की टॉप एक्ट्रेस

वैजयंतीमाला 50 से 60 तक के दशक की टॉप एक्ट्रेस बन चुकी थीं। उनकी एक्टिंग और फिल्मों में उनके डांस परफॉर्मेंस को खासा पसंद किया जाता था। उन्हें हर बड़े हीरो के अपोजिट कास्ट किया जाता था। फिल्मों के लिए डायरेक्टर्स उन्हें मुंहमांगी फीस भी देने को तैयार थे। उनकी देवदास, संगम, साधना, मधुमती जैसी फिल्में कल्ट सिनेमा मानी जाती हैं।

फिल्म देवदास के लिए डायरेक्टर बिमल रॉय को एक्ट्रेस की तलाश थी, फिल्म में चंद्रमुखी एक वैश्या होती है। ऐसे में इस रोल को करने से नरगिस, बीना रॉय जैसी एक्ट्रेस मना कर चुकी थीं। फिर जब बिमल रॉय ने इस फिल्म में मीना कुमारी को लेने का सोचा तो वो मीना कुमारी की फीस अफॉर्ड नहीं कर पाए तब जाकर इस फिल्म के लिए वैजयंती माला को कास्ट किया गया। उस समय वैजयंती माला की 5 फिल्में फ्लॉप हुई थीं ऐसे में उन्हें एक बेहतरीन फिल्म की तलाश थी जो उन्हें देवदास लगी। फिर जब ये फिल्म रिलीज हुई तो जबरदस्त हिट साबित हुई।

देवदास के लिए मिले फिल्मफेयर अवॉर्ड को ठुकराया

फिल्म देवदास में वैजयंती माला की एक्टिंग को खासा सराहा गया। इस फिल्म के लिए उन्हें बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस के फिल्मफेयर अवॉर्ड से भी सम्मानित किया गया, लेकिन इस अवॉर्ड को उन्होंने ये कहकर ठुकरा दिया कि 'देवदास में जितनी पारो जरुरी थी उतनी ही चंद्रमुखी भी, इसलिए मुझे इस फिल्म के लिए बेस्ट लीड एक्ट्रेस का अवॉर्ड दिया जाना चाहिए ना कि सपोर्टिंग एक्ट्रेस का'।

दिलीप कुमार से लेकर राज कपूर तक से जुड़ा नाम

वैजयंतीमाला ने दिलीप कुमार के साथ कई फिल्मों में काम किया। ऐसे में उनका नाम दिलीप कुमार से जुड़ने लगा। दिलीप फिल्मों में ज्यादातर उनके कपड़ो से मैच करती ड्रेस पहना करते थे जिससे इस बात को और हवा मिली। फिर जब बाद में उन्होंने राज कपूर के साथ फिल्म गंगा जमुना में काम किया तो उनका नाम राज कपूर से जुड़ने लगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक राज कपूर के रिलेशनशिप से परेशान होकर उनकी पत्नी कृष्णा अपने बच्चों को लेकर घर छोड़कर होटल में रहने चली गई थीं। करीब 4 महीने होटल में रहने के बाद कृष्णा इस शर्त पर मानी कि फिर कभी वो वैजयंती के साथ फिल्मों में काम नहीं करेंगे। इसके बाद दोनों ने 1964 में आई फिल्म 'संगम' में साथ में काम किया। इस फिल्म का गाना 'मैं का करूं राम मुझे बुड्ढा मिल गया' सुपरहिट हुआ। हालांकि ये फिल्म राज और वैजयंती की साथ में आखिरी फिल्म थी। इस फिल्म के बाद दोनों किसी और फिल्म में नजर नहीं आए।

निमोनिया का इलाज कर रहे डॉक्टर से हुआ प्यार

एक बार वैजयंतीमाला को निमोनिया ने घेर लिया। इसका इलाज कराने वो डॉक्टर चमनलाल बाली के पास गईं। इलाज के दौरान दोनों की मुलाकातें बढ़ने लगीं। उस समय डॉ. बाली शादीशुदा थे, लेकिन फिर भी वो वैजयंती को अपना दिल दे बैठे थे। वैजयंती भी डॉ. बाली को बहुत पसंद करती थीं। ये रिश्ता शादी तक पहुंच गया और डॉ. बाली ने अपनी पत्नी को तलाक देकर 1968 में वैजयंतीमाला से शादी कर ली।

शादी के बाद फिल्मों से बनाई दूरी

वैजयंती माला ने शादी के बाद फिल्मों से दूरी बना ली और मुंबई से चेन्नई शिफ्ट हो गईं। हालांकि शादी से पहले उन्होंने जो फिल्में साइन की थीं उनकी शूटिंग पूरी की। उनकी आखिरी फिल्म 'गंवार' थी। जो सुपरहिट रही थी। बाद में भी उन्हें कई फिल्मों के ऑफर आए जिसके लिए डायरेक्टर्स उन्हें मुंह मांगी फीस देने को तैयार थे, लेकिन इन फिल्मों को उन्होंने ये कहते हुए ठुकरा दिया कि वो हमेशा लोगों को लीड एक्ट्रेस के तौर पर याद रहना चाहती हैं इसलिए वो कभी कैरेक्टर रोल नहीं करेंगी। इस कपल का एक बेटा सुचिंद्र बाली है जो तमिल सिनेमा में एक्टिव है।

वैजयंती माला को फिल्मों में उनके योगदान के लिए भारत सरकार ने 1968 में पद्म श्री अवॉर्ड से नवाजा था। साथ ही फिल्मों में बेहतरीन एक्टिंग के लिए वो 5 बार फिल्मफेयर अवॉर्ड से सम्मानित की जा चुकी हैं। 2004 में अल्टांटिक सिटी में उन्हें लीजेंड ऑफइंडियन सिनेमा अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था।

एक्टिंग छोड़ राजनीति से जुड़ीं

वैजयंती माला शादी के बाद राजनीति से जुड़ गईं। 1984 में वो सांसद बनीं। कुछ समय बाद उन्होंने कांग्रेस छोड़ बीजेपी का दामन थाम लिया और फिलहाल तमिलनाडू की पॉलिटिक्स में जाना माना नाम हैं।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

खास खबर

अधिवक्ताओं ने निकाली तिरंगा रैली, गांधी प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

दुर्ग। आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में जिला अधिवक्ता संघ के तत्वावधान में शुक्रवार को दोपहर 2 बजे से जिला न्यायालय प्रांगण से तिरंगा रैली निकाली गई जो कि जिला न्यायालय प्रांगण के सामने राष्ट्रगान से प्रारंभ हुई रैली पटेल चौक ,जवाहर चौक,मोती काम्प्लेक्स,पुराना बस स्टैंड,एकता द्वार होते हुए हिंदी भवन के सामने गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कलेक्ट्रेट होते हुए वापस जिला न्यायालय प्रांगण में छत्तीसगढ़ के राजकीय गीत व राष्ट्र गान के साथ संपन्न हुआ। रैली के दौरान अधिवक्ता विकास चौधरी के द्वारा रास्ते भर देश भक्ति गीत की प्रस्तुति दी गई। रैली में संघ की अध्यक्ष नीता जैन सहित सभी पदाधिकारी व बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित थे। उक्त जानकारी संघ के मीडिया प्रभारी मो.दानिश परवेज़ व मनोज मिश्रा ने दी।

राजधानी शहर में एनयूएलएम की स्व सहायता समूहों की महिलाओं ने तैयार किये 15 हजार से अधिक झंडे

रायपुर। रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र में राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (एनयूएलएम) के तहत कार्य कर रही राजधानी शहर की विभिन्न महिला स्वसहायता समूह की महिलाओं ने मेहनत के साथ आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत हमर तिरंगा अभियान के लिये राजधानीवासियों के लिये घर - घर राष्ट्रध्वज फहराने 15000 से अधिक तिरंगे झंडे तैयार किये है। आज नगर निगम रायपुर के मुख्यालय भवन महात्मा गाँधी सदन में नगर निगम आयुक्त मयंक चतुर्वेदी ने अपर आयुक्त सर्व अभिषेक अग्रवाल, सुनील चंद्रवंशी, अरविन्द शर्मा, मुख्य अभियन्ता आर. के. चैबे,स्वास्थ्य अधिकारी विजय पाण्डेय, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर तृप्ति पाणीग्रही, एनयूएलएम मिशन मैनेजर श्रीमती सरिता सिन्हा, श्रीमती सीमा चतुर्वेदानी, सभी जोन कमिश्नरगणों, कार्यपालन अभियन्तागणों के साथ आजादी के अमृत महोत्सव पर स्वतंत्रता दिवस के पावन राष्ट्रीय पर्व की 76 वीं वर्षगाँठ पर 15 अगस्त को अपने घर पर राष्ट्रध्वज तिरंगा फहराकर हमर तिरंगा अभियान में सहभागिता दर्ज करवाने का सामूहिक संकल्प लिया एवं नगर पालिक निगम की ओर तिरंगा अभियान के तहत आजादी के अमृत महोत्सव पर अपने - अपने घरों में राष्ट्रध्वज तिरंगा फहराने का आव्हान किया।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में फंसे 50 से अधिक लोगों को सुरक्षित निकाला

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। कबीरधाम जिले में पिछले 36 घंटो से हो रही लगातार बारिश से जिले के कवर्धा, बोड़ला, सहसपुर लोहारा और पंडरिया विकासखण्ड के वनांचल क्षेत्रों सहित नदी-नाले किनारें गांवों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। कलेक्टर श्री जनमेजय महोबे के निर्देश पर जिले के सभी एसडीएम, तहसीलदार, पुलिस और जिला सेनानी के जवानों के द्वारा जिले में बाढ़ की स्थिति पर सतत मॉनिटरिंग की जा रही है और जरूरत के आधार पर राहतदल द्वारा बाढ़ प्रभावितों को राहत पहुंचाई जा रही है।

कलेक्टर श्री जनमेजय महोबे जिले में लगातार हो रही बारिश की स्थिति को देखने स्वयं बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में मोटर सायकल से पहुंचे और राहत कार्य का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि जिले के प्रमुख नदी सकरी, आगर, और फोक नदीं में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। इन नदी के किनारे वाले सभी गांवों तथा अन्य बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जिला प्रशासन की टीम में मुनादी करा कर लोगों को चिन्हांकित राहत शिविरों तथा उनके प्रभावितों के जान-पहचान वाले घर व रिस्तेदारें के घर जनसहायोग से ठहराने का काम किया जा रहा है। फोक और आगर नदी के किनारे वाले गांव खैरवार और सैइयामालगी के आसपास के बाढ़ क्षेत्रों से लगभग 40 लोगों को प्रशासनिक अधिकारियो और जनसहयोग से सुरक्षित निकाला गया है और राहत शिविर व अन्य सुरक्षित स्थानों में ठहरने की व्यवस्था बनाई गई है।

कलेक्टर श्री जनमेजय महोबे ने प्रशानिक अधिकारियों के साथ कवर्धा विकासखण्ड के ग्राम खैरवार और मरका गांव सहित अन्य बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों को दौरा किया और प्रशासनिक तथा जनसहयोग से जारी बाढ़ आपदा प्रबंधन के कार्यों का जायजा भी लिया।

खैरवार गांव फोक नदी के किनारे बसा हुआ है। यह कवर्धा विकासखण्ड के सरहदी क्षेत्र है, इस नदी के दूसरे छोर में पंडरिया विकासखण्ड प्रांरभ हो जाता है। फोक नदी के बाढ़ में खैरवार के 11 लोग एक रात के फसे हुए थे, जिसमें चार पुरूष, तीन महिला और चार बच्चे और उनके कुछ मेवशी भी थे। सभी को राहत एवं बचाव दल द्वारा सुरक्षित निकाल लिए गए है।

इसी प्रकार ग्राम बानों में 19 लोग बाढ़ में फसे हुए थे। खबर लिखे जाने तक 8 लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया था,बाकि 11 लोगों को सुरक्षित निकालने में राहत एवं बचाव दल द्वारा काम जारी है। इसी प्रकार पंडरिया विकासखण्ड के ग्राम सैइयामालगी में बाढ़ से फसे 30 लोगों को प्रशासनिक टीम और जनसहयोग से सुरक्षित निकाल लिया गया है। सभी को उनके बताए गए जान-पहचान व रिस्तेदारों के यहां ठहराया गया है। ग्राम रबेली में तीन परिवारों को सुरक्षित निकाला गया है।

कलेक्टर श्री जनमेजय महोबे ने निर्देश पर जिले के सभी विकासखण्डों में राजस्व अनुविभगीय, तहसीलदार, जनपद पंचायत सीईओ पुलिस, जिला सेनानी की संयुक्त टीम एव जनसहयोग से जिले के सभी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सतत मॉनिटरिंग की जा रही है और उन क्षेत्रों में राहत शिविर बना कर प्रभावितों को ठहराने का काम भी किया जा रहा है। कलेक्टर श्री महोबे ने बताया कि पोड़ी, रेबेली, रोचन, चिमरा, सहित बोड़ला और पंडरिया के वनांचल क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति को देखते हुए बाढ़ प्रभवित क्षेत्रों के गांवों में कोटवारों के माध्यम से मुनादी करा कर अलर्ट रहने के निर्देश दिए गए।

महिला मोर्चा की महिलाओं ने एकरंग की भगवा वेशभूषा पहन देशभक्ति के गीत गाते किया तिरंगा मार्च

तिरंगा लेकर भाजपा ने सिकोला भाठा पटरी पार क्षेत्र के वार्डों में किया लम्बी पदयात्रा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर 'हर घर झंडा' योजना के अन्तर्गत भाजपा द्वारा अगस्त क्रांति दिवस से प्रारम्भ किए तिरँगा पद यात्रा के तीसरे दौर में आज सिकोला भाठा पटरी पार मंडल द्वारा उरला वार्ड 57 संगम चौक से पदयात्रा की शुरूवात हुआ जो वार्ड 58,आई एच एस डी पी,साई नगर,सिकोला भाठा वार्ड 14,15,16 सिकोला बस्ती, कैलाश नगर तितुरडीह सिंधिया नगर,हनुमान नगर, कातुलबोर्ड, एस टी एफ बटालियन,हरि नगर साकेत कालोनी, आशा नगर,आदित्य नगर,शक्ति नगर वार्ड,18,19,20,21,22,59,60 होते हुए कादम्बरी नगर वार्ड 17 में लम्बी यात्रा के साथ संध्या बेला में समाप्त हुई तिरँगा पद यात्रा के तीसरे दिन आज बड़ी संख्या में उपस्थित महिला मोर्चा के महिलाओ ने हाथो में तिरँगा लिए एक रंग के भगवा साड़ी पहने देशभक्ति गीत गाते आगे चलते रहे जो लोगो के लिए आकर्षण का केंद्र रहे इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने आमजनों से कल 13 अगस्त से अपने घरों में तिरँगा लगाने की अपील किया । देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा आजादी का महापर्व अमृत महोत्सव के रूप में मनाने व हर घर तिरँगा फहराने किए गए अपील के तहत शहर में भाजपा के चारो मंडलो में क्रमवार पदयात्रा के तीसरे दिन आज जिला भाजपा अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा मंडल अध्यक्ष लुकेश बघेल के नेतृत्व में तिरँगा सुबह 10बजे तिरँगा पदयात्रा प्रारम्भ हुई जो दिनभर मंडल अंतर्गत विभिन्न वार्डो में भृमण करते हुए शक्ति नगर में शाम को समाप्त हुआ आज तिरँगा पद यात्रा में प्रदेश भाजपा कार्यसमिति सदस्य व पूर्व महापौर चंद्रिका चंद्राकर पूर्व विधयाक कैलाश शर्मा डोमनलाल कोर्सेवाड़ा, वरिष्ठ नेता प्रीतपाल बेलचंदन,शिव चंद्राकर, जिला उपाध्यक्ष बसंत चंद्राकर मंत्री व पदयात्रा प्रभारी दिनेश देवंगन अनुप गटागट,विनायक नातू,अजय चंद्राकर,विनायक ताम्रकर मंडल भाजपा अध्यक्षगण लुकेश बघेल,,चंद्रशेखर चंद्राकर, दीपक चोपड़ा महामंत्री देवनारायण चंद्राकर, सुनील अग्रवाल, विजय ताम्रकर,बंटी चौहान पार्षद कांशीराम कोसरे पार्षद शिवेंद्र परिहार,पूर्व पार्षद दिलीप साहु कुमुद बघेल बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ संयोजक अल्का बाघमार, मंडल पदधिकारियो में के एस ओझा,जितेन्द्र राजपूत,डॉ सुनील साहू मदन वाडई,आशीष निमजे युवा मोर्चा जिला महामंत्री तेखन सिन्हा मंडल अध्यक्ष कन्हैया देवांगन,पूरन साहू मंत्री मन्नू साहू जितेंद्र सिंह राजपूत प्रवीण सेन कृष्णा सिंह मदन बीके द्विवेदी भाजयुमोमंडल अध्यक्ष कन्हैया देवांगन महिला मोर्चा के मौसमी ताम्रकार गायत्री वर्मा मनोज शर्मा मनमोहन शर्मा बुनकर संघ प्रकोष्ठ के जिला संयोजक तारन देवांगन सदर मंडल अध्यक्ष दीपक चोपड़ा सुभाष तिवारी श्रीमती गायत्री वर्मा सुधा सिंह प्रीति साहू रुचि गुप्ता कंचन यादव सुरुचि उमरे उषा निर्मलकर अंजू तिवारी पीलिया साहू रानी साहू भाजयुमो के प्रेम साहू आशीष पांडे करण निषाद मनोज साहू पोषण सिन्हा टीका राम साहू निलेश सिन्हा योगेश देवांगन मोनू कार्तिक निषाद किसान मोर्चा के भरत यादव अश्वनी साहू काशीराम सौरभ देवांगन नरसिंह सिन्हा नवीन राव विजय बनेथे कोमल साहू निशिकांत,राकेश सारथी,कृष्णा तांडी, रितेश सेन,अनिल साहू,संतोष साहू, मिश्रा,किशन राणा,भास्कर तिवारी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कावरा नाला सुदूर वनांचल में लेकर आया विकास का कारवां

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य सरकार द्वारा संचालित सुराजी गांव योजना के तहत नरवा विकास कार्यक्रम अंतर्गत कावरा नाला में हुए भू-जल संवर्धन संबंधी कार्य सुदूर वनांचल में विकास का कारवां लेकर आया है। गौरतलब है कि वनांचल में स्थित कावरा नाला में 97 लाख 79 हजार रूपए की लागत से 73 भू-जल संवर्धन संबंधी विभिन्न संरचनाओं का निर्माण किया गया है। इससे लगभग 10 किलोमीटर लंबाई के कावरा नाला में कुल जल संग्रहण क्षेत्रफल अंतर्गत 11 हजार 974 हेक्टेयर में से वन क्षेत्र के लगभग 3 हजार हेक्टेयर को उपचारित किया गया है।

नरवा विकास कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य के वनांचल में कैम्पा मद से काफी तादाद में नरवा विकास के कार्य स्वीकृत किए गए हैं। इनका वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री मोहम्मद अकबर के निर्देशानुसार प्रमुख सचिव वन मनोज पिंगुआ तथा प्रधान मुख्य वन संरक्षक राकेश चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में तेजी से क्रियान्वयन जारी है।

इस संबंध में वन मंडलाधिकारी उत्तम गुप्ता ने बताया कि दक्षिण कोण्डागांव अंतर्गत कावरा नाला में कैम्पा (छत्तीसगढ़ प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि प्रबंधन एवं योजना प्राधिकरण) की वार्षिक कार्ययोजना 2020-21 के अंतर्गत लगभग 98 लाख रूपए की लागत से विभिन्न भू-जल संवर्धन संबंधी संरचनाओं का निर्माण किया गया है। इनमें 12 नग लूज बोल्डर, 17 नग ब्रशवुड चेकडेम, 1 नग भूमिगत डाइक, 19 नग गेबियन संरचना, 13 नग वाटर होल, 3 नग तालाब गहरीकरण, 1 नग गली प्लग तथा 4 नग 30-40 मॉडल का निर्माण शामिल है।

पंडित सुंदरलाल शर्मा के राजनीतिक सामाजिक चिंतन पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

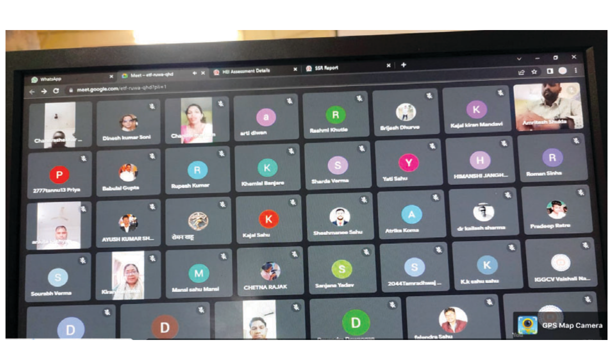

भिलाई। इंदिरा गांधी शासकीय स्नातकोत्तर कला एवम वाणिज्य महाविद्यालय वैशाली नगर ,भिलाई में 12 अगस्त 2022 को आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में राजनीति विभाग और समाजशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वाधान में वर्चुअल माध्यम से एक दिवसीय वेबीनार विषय छत्तीसगढ़ में स्वतंत्रता संग्राम की महान विभूति: पंडित सुंदरलाल शर्मा का राजनीतिक - सामाजिक चिंतन पर आयोजित किया गया ।

गूगल मीट के माध्यम से आयोजित इस एक दिवसीय व्याख्यान में अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य और हमारी मार्गदर्शक डॉ श्रीमती अलका मेश्राम ने की । इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता श्री पीतांबर सिन्हा (सहायक प्राध्यापक, समाजशास्त्र शासकीय महाविद्यालय धमतरी) और चंद्रशेखर देवांगन (शोधार्थी , सेठ रतनचंद सुराना महाविद्यालय , दुर्ग) थे। चंद्रशेखर देवांगन ने अपने उद्बोधन में बताया कि देश अपने स्वाधीनता के 75 वर्ष में अमृत महोत्सव माना रहा है और उसकी तुलना पौराणिक काल के अमृत मंथन से की। उन्होंने आगे बताया कि पंडित सुंदरलाल शर्मा जी ने कैसे गांधीवाद से प्रभावित हो कर कंडेल नहर सत्याग्रह को सफलतापूर्वक संचालित किया । उन्होंने ने जानकारी दी कि पंडित सुंदरलाल शर्मा जी छत्तीसगढ़ के प्रथम स्वप्नदृष्टा थे तथा उन्हें छत्तीसगढ़ का गांधी कहा जाता है ।

पीतांबर सिन्हा ने अपने उद्बोधन में बताया कि पंडित सुंदरलाल शर्मा जी ने छत्तीसगढ़ में समाजसुधार का कार्य गांधीजी से पूर्व हरिजनों का प्रवेश राजीवलोचन मंदिर में करा के किया जिसके कारण गांधीजी ने 1932 में आने छत्तीसगढ़ प्रवास में उनको अपना धर्म गुरु स्वीकार किया ।

उन्होंने बताया कि पंडितजी बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे तथा इनके विचारों का प्रभाव छत्तीसगढ़ के कई आंदोलनों पर रहा। प्राचार्य डॉ श्रीमती अलका मेश्राम जी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा की पंडित जी ने समाज के हर क्षेत्र में अपना सराहनीय योगदान दिया। उनके योगदान को देखते हुए छत्तीसगढ की एकमात्र मुक्त विश्व विद्यालय उनके नाम पर रखी गई है तथा छत्तीसगढ़ शासन द्वारा उनकी स्मृति में साहित्य के क्षेत्र में सम्मान दिया जाता है।

उन्होंने व्याख्यान को सारगर्भित करते हुए कहा की पंडितजी के प्रगतिशील तथा समाजसुधर के विचारों से सीख लेते हुए हमें उन्हें अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए , यही हमारी उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी जिससे हम प्रगतिशील भारत तथा छत्तीसगढ़ का निर्माण कर सकते हैं।

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला आरी में हुआ चित्रकला का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। आज आजादी के 75वे वर्ष गांठ के रूप में आजादी के अमृत महोत्सव तथा हर घर तिरंगा कार्यक्रम के रूप में शासकीय प्राथमिक तथा माध्यमिक स्कूल आरी ब्लॉक डोंगरगांव जिला राजनांदगांव में रिलायंस फाउंडेशन के तत्वावधान से चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें 4थी से लेके 8वी तक के 250 छात्र तथा छात्राओं ने भाग लिया । जिसमे आज का बदलते हुए भारत, सेना के जवान तथा आजादी के समय होने वाले उपलब्धियां, बलिदान, महापुरुष, तथा भारत माता की झलकियों को बच्चो ने चित्रकला के माध्यम से रुबरु किया।

इस चित्रकला प्रतियोगिता में रिलायंस फाउंडेशन द्वारा ड्राइंग शीट कलर पेंसिल तथा जरूरी सामग्री प्रदान की गई।

और सभी बच्चो ने अपनी पूर्ण रूप से प्रतियोगिता में भाग लिया। जिसमे शासकीय पूर्व माध्यमिक तथा प्राथमिक शाला आरी के प्रधानपाठक साधुराम साहू, तथा शिक्षक श्रीमती हेमकुमारी गायकवाड़ श्रीमती सविता साहू श्रीमति अमिता कोर्राम डामन दास साहू यागवेन्द्र सिंह श्रीमती शाहेना कुरैशी खेलुराम निषाद खेमराज पिस्दा उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए रिलायंस फाउंडेशन के कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा।

खास-खबर

साइन बोर्ड से टकराने के बाद बाइक के 2 टुकड़े, 1 की मौत

जगदलपुर। शहर सीमा से सटे कोड़ेनार इलाके में शुक्रवार की सुबह भीषण सड़क हादसा हो गया। एक तेज रफ्तार स्पोर्ट्स बाइक सड़क किनारे लगे बोर्ड से टकरा गई जिसके चलते उसके परखच्चे उड़ गए। बाइक चला रहे युवक की मौके पर मौत हो गई तो वहीं बाइक में सवार दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे मेकाज में भर्ती किया गया है। घटना की जानकारी लगते ही पुलिस मौके पर पहुंच शव को पीएम के लिए भिजवा दिया वहीं मामले की जांच शुरू कर दिया गया है।

मामले की जानकारी देते हुए कोड़ेनार थाना प्रभारी विकास चंद्र राय ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि एक तेज रफ्तार केटीएम बाइक को चला रहे योगेश विश्वकर्मा 22 वर्ष निवासी तोकापाल थाना परपा जिसके साथ अमन 28 वर्ष निवासी तोकापाल थाना क्षेत्र परपा साथ में कोड़ेनार थाना क्षेत्र की ओर जा रहे थे कि आरापुर तालाब के पास सड़क किनारे लगे साइन बोर्ड से टकरा गए, इस हादसे में योगेश की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं अमन को घायल अवस्था में मेकाज में भर्ती किया गया है।

केशकाल इलाके में एक दिन में दो लोगों ने लगा ली फांसी

केशकाल। केशकाल इलाके में गुरुवार को दो लोगों फांसी लगा ली। एक घटना केशकाल थाना और दूसरी विश्रामपुरी थाना क्षेत्र की है। केशकाल थाना क्षेत्र के ग्राम बटराली के पास एनएच-30 से 300 मीटर की दूरी पर खेत पर बनी लाड़ी में गुरुवार की रात एक युवक ने फांसी लगा ली। बालोद जिले के डौंडीलोहारा थाना क्षेत्र के ग्राम चिहरो का निवासी हितेश मंडावी अपने मौसा पूरन कावड़े निवासी ग्राम शीतलापारा बटराली के घर 1 महीने से रह रहा था गुरुवार की रात 8.30 बजे वह घर से निकला था लेकिन सुबह तक घर नहीं लौटा। सुबह 7 बजे पता चला कि घर के कुछ दूर खेत पर बनी लाड़ी में उसने फांसी लगा ली है। वहीं विश्रामपुरी थाना क्षेत्र के ग्राम कोंगेरा के पास एक व्यक्ति ने महुआ पेड़ पर फांसी लगा ली। कांकेर जिले के नरहरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम देवगांव का निवासी फूलचंद शोरी पत्नी के साथ उसके मायके कोटलभट्टी आया था। गुरुवार की शाम को साइकिल से पत्नी के साथ आया हुआ था और पत्नी को रुकने कहकर उसने कुछ दूरी पर जाकर महुआ के पेड़ पर फांसी लगा ली।

छेड़छाड़ करने वाले युवक को मरते दम तक जेल: काम दिलाने के बहाने दिया वारदात को अंजाम

दंतेवाड़ा (ए)। दंतेवाड़ा के अपर सत्र न्यायाधीश शैलेष शर्मा (फास्ट ट्रैक कोर्ट) की विशेष अदालत ने 2 अलग-अलग प्रकरणों में नाबालिग के साथ छेड़छाड़ और गर्भपात करवाने वाले 2 युवकों को सजा सुनाई है। छेड़छाड़ के मामले में दोषी पाए गए युवक को आजीवन कारावास और गर्भपात करवाने वाले युवक को 10 साल जेल की सजा सुनाई गई है। साथ ही दोनों पर अर्थदंड भी लगाया गया है।

दरअसल, पहला मामला साल 2019 का है। जगदलपुर मेडिकल कॉलेज से परपा थाने की पुलिस को सूचना मिली थी कि नाबालिग लड़की का गर्भपात कराया गया है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। जिसमें पाया कि, नाबालिग लड़की का 19 साल के लड़के अनिल कुमार उरसा से प्रेम प्रसंग था, युवक पहले नाबालिग के साथ रेप करता रहा, और जब वह गर्भवती हो गई। तो दवाएं देकर गर्भपात कराया गया।

इधर जब लड़की की हालत बिगड़ने पर मेकाज लाया गया था पुलिस ने युवक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करके पीड़िता व परिजनों की सहमति के बाद मेडिकल जांच कराई। युवक को भी हिरासत में लेकर मेडिकल जांच की गई। पूरे मामले की जांच के बाद कोर्ट ने युवक को दोषी मान लिया। फिर फास्ट ट्रैक कोर्ट ने युवक को 10 साल जेल की सजा व 1000 रुपए का अर्थदंड लगाया है।

छेड़छाड़ के आरोपी को आजीवन कारावास

दूसरा मामला छेड़छाड़ से संबंधित है। संतोष कुड़ियम नाबालिग लड़की को 12000 रुपए का काम देने की लालच में दिल्ली लेकर गया। वहां पीड़िता ने काम नहीं किया तो उसे रायपुर लेकर आया और यहां के एक होटल में ले जाकर उससे छेड़छाड़ किया। अपने साथ घटित इस पूरी घटना की जानकारी नाबालिग ने अपने घर आकर परिजनों को दी। जिसके बाद लड़की के परिजनों ने नैमेड थाना पहुंचकर एफआईआर दर्ज करया। पूरे मामले की जांच में युवक को दोषी पाया गया, जिसमें आजीवन कारावास की सजा एवं 5000 रूपए का अर्थदंड लगाया है।

आरोपी बोला- मैंने अपनी बड़ी साली की हत्या कर दी

पत्नी बनाकर रखूंगा कहकर लाया था छोड़कर जाने लगी तो गला दबा दिया

रायगढ़ (ए)। रायगढ़ जिले में एक युवक ने अपनी बड़ी साली की हत्या कर दी। युवक उसे पत्नी बनाकर रखूंगा कहकर घर ले आया था। मगर वह घर छोड़कर ही जाने लगी। इसी बात पर युवक काफी नाराज हो गया और उसने गला दबाकर महिला की हत्या कर दी। हत्या करने के बाद वह सबसे चिल्लाकर कहने लगा कि मैंने अपनी बड़ी साली की हत्या कर दी है। मामला चक्रधरनगर थाना क्षेत्र का है।

कोलाईबहाल का रहने वाला अभिषेक चौहान(35) पहले से शादीशुदा था। उसके बच्चे भी हैं। इसके बावजूद वह 3 महीने पहले जांजगीर में रहने वाली अपनी बड़ी साली सोनी सिदार(30) को घर ले आया था। अभिषेक ने उससे वादा किया कि तुम्हें मैं अपनी पत्नी बनाकर रखूंगा। उसके कहने पर वह भी उसके घर में रहने लगी थी। सोनी के आने के बाद अभिषेक की पत्नी घर छोड़कर चली गई। इधर सोनी और अभिषेक की भी आपस में नहीं बनी। दोनों में झगड़ा हुआ और सोनी घर छोड़कर जाने की धमकी देने लगी। इससे गुस्से में आकर अभिषेक ने उसकी हत्या कर दी।

शुक्रवार सुबह पुलिस को महिला की हत्या की जानकारी मिली थी। जिसके बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। तब पुलिस को इस पूरे घटनाक्रम के बारे में पता चला। पुलिस को बताया गया कि अभिषेक अपनी साली की हत्या करने के बाद गांव में ही चिल्ला रहा था। इसके बाद वह कहीं चला गया। बाद में अभिषेक की पत्नी संध्या सिदार भी मौके पर पहुंची।

संध्या ने पुलिस को बताया कि सोनी को घर में लाने के बाद में अपनी बच्चे को लेकर घर से चले गई थी। गांव में ही दूसरी जगह रह रही थी। इसी बात से सोनी नाराज थी। सोनी ने भी अभिषेक को कह दिया था कि वह भी घर छोड़कर जा रही है। इसी बात से अभिषेक नाराज हो गया और उसने सोनी की हत्या कर दी। जब सोनी की हत्या की खबर मुझे हुई तो मैं मौके पर पहुंची। उस समय तक अभिषेक भी वहीं पर था। उसे अभिषेक ने ही पूरी घटनाक्रम के बारे में बताया है। फिलहाल पुलिस ने अभिषेक को गिरफ्तार कर लिया है।

नशेड़ी युवक ने लगा ली फांसी

खाना खाकर गया था, फिर लौटा ही नहीं, फंदे पर लटका मिला

कोरबा (ए)। छत्तीसगढ़ के कोरबा में एक नशेड़ी युवक ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। वो रोज 6 से 7 नशे की गोलियां खाया करता था। हमेशा नशे में चूर रहता था। बताया गया कि वह दोपहर के वक्त खाना खाकर कमरे में गया था। इसके बाद लौटा ही नहीं। घर वालों को उसकी फंदे पर लटकी हुई लाश मिली है। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, सीतामढ़ी मुख्य मार्ग पर सुरेश यादव अपने परिवार के साथ रहते हैं। उनके 2 बेटे हैं। पहले बेटा 23 साल का सुरेश है तो दूसरा 18 साल का संजू यादव था। संजू घर पर ही रहता था। हमेश नशा करके घर आया करता था। उसने कई बार नशे में घर पर विवाद भी किया था।

इस बीच संजू गुरुवार दोपहर के वक्त घर आया था। तब उसके घरवालों ने पूछा कि आज फिर नशा करके आए हो तो उसने कोई जवाब नहीं दिया। इसके बाद उसने खाना खाया और कमरे में चला गया। दोपहर से शाम हो गई, पर वो बाहर ही नहीं आया। इस पर उसकी मां को शक हुआ। तब उसने दरवाजा खोला तो देखा कि संजू का शव फंदे पर लटका हुआ था। जिसके बाद उसने घरवालों को भी इस बारे में जानकारी दी। फिर पुलिस को भी मौके पर बुलाया गया। जिसके बाद शव को पीएम के लिए भेजा गया था। फिलहाल उसने आत्महत्या क्यों कि इस बात का पता नहीं चल सका है।

रायपुर में मां-बेटे की ठग जोड़ी

टैक्सी ड्राइवर को दिखाए अमीर बनने के सपने,उसी के क्रेडिट कार्ड से शॉपिंग की, होटल का बिल दिया और भाग गए

रायपुर (ए)। रायपुर में पुलिस ने एक ऐसी ठग जोड़ी के खिलाफ केस दर्ज किया जिसने एक टैक्सी ड्राइवर को लूट लिया। हाईफाई लाइफस्टाइल पसंद करने वाली इस ठग जोड़ी ने रायपुर के एक महंगे होटल में कमरा भी ले रखा था। शहर में कैब बुककर इधर-उधर घूमा, शॉपिंग की और फरार हो गए। अब पुलिस इस ठग जोड़ी को ढूंढ रही है। इसमें एक तो 30-35 साल के आस-पास की उम्र का युवक है दूसरी 50 साल की बुजुर्ग महिला।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक अपना नाम अभिजीत बताकर रायपुर के ट्राइटन होटल में एक शख्स ठहरा हुआ था। उसके साथ 50 साल की अधेड़ महिला भी थी जिसे वह अपनी मां बता रहा था। 4 अगस्त को अभिजीत ने एक कैब बुक की और इसी के साथ उसकी ठगी का खेल शुरू हो गया। ओला के लिए गाड़ी चलाने का काम करने वाला रायपुर का डी रामाराव अभिजीत के जाल में फंसा। वह अभिजीत को रिसीव करने होटल पहुंचा। अभिजीत बुजुर्ग महिला को अपनी मां बताते हुए कार में बैठा। उसने कहा कि हमें किसी पॉश इलाके में ले चलो हमें एक मकान की डील करनी है। रामाराव उन्हें कचना, शंकर नगर, तेलीबांधा, वीआईपी रोड इलाके में घुमाता रहा। कुछ देर बाद वे सभी आनंदम सिटी नाम के रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट में पहुंचे। बिल्डर्स से मिलने की बात कहकर अभिजीत गाड़ी से उतरा कुछ देर बाद आकर कह दिया कि डील हो गई।

रामाराव से दिन भर बातें करके वो उसके साथ घुलमिल गया। अभिजीत ने दावा किया कि वो एक बड़ा बिजनेसमैन है अब रायपुर में अपने बिजनेस का विस्तार करने जा रहा है। अभिजीत ने कहा कि डी रामाराव को भी अपने साथ कारोबार में शामिल करके अमीर बना देगा। उसने कहा कि ट्रांसपोर्ट के बिजनेस में रामराव को काम देगा। इतना सुनकर ड्राइवर उसके झांसे में आ गया। अभिजीत ने उसे 40 हजार रुपए लेकर होटल आने को कहा।

वहां सैलेरी अकाउंट खोलने, कंपनी में उसके दस्तावेज रजिस्टर करने जैसी बातें कहकर क्रेडिट कार्ड और बैंक के कागज ले लिए। इसके बाद अभिजीत और उसकी मां ने होटल में डी रामाराव की क्रेडिट कार्ड से ही बिल चुकाया और फरार हो गए।

वारदात का सनसनीखेज खुलासा: जेठ का बहू से अवैध संबंध भाई ने बदले में भाभी को सौंपने कहा तो कर दी हत्या

कांकेर (ए)। नेशनल हाईवे से कुछ दूर कोकड़ी मार्ग में मिले शव को लेकर पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा करते हत्या का कारण अवैध संबंध को बताया। अवैध संबंध में पत्नी के बदले में भाभी की मांग करना देवर को महंगा पड़ा। इसे लेकर आए दिन घर में हो रहे विवाद को देखते मृतक के बड़े भाई, भाभी, पत्नी व एक चालक ने मिलकर हत्या की साजिश रची। उसकी हत्या कर कांकेर के पास लाश फेंककर फरार हो गए। मामले में पुलिस ने भाई, भाभी व पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि कार चालक फरार है जिसकी तलाश की जा रही है।

धमतरी निवासी श्रीकांत सोनी ने साल भर पूर्व अपनी भाभी की सहेली चंद्रिका कुमारी (23) निवासी गोतपुर चारामा से प्रेमविवाह किया था। शादी के बाद भी मृतक अपने बड़े भाई सूर्यकांत सोनी उर्फ अविनाश उर्फ पप्पू, भाभी योगेश्वरी सोनी के साथ रहता था। श्रीकांत होटल में काम करता था और शराब का आदी था। अधिकांश समय घर से बाहर रहता था। भाभी योगेश्वरी सोनी भी माला आदि बेचने घर से बाहर जाती थी। इस दौरान मृतक की पत्नी व उसका बड़ा भाई दोनों घर में रहते थे। दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ी और दोनों के बीच अवैध संबंध बन गए।

जानकारी होने पर वह अपनी पत्नी, बड़े भाई व भाभी से आए दिन विवाद करने लगा। एक दिन विवाद के दौरान मृतक ने अपने बड़े भाई की पत्नी योगेश्वरी से कह दिया तेरा पति मेरी पत्नी के साथ संबंध बनाता है, तुम मेरे साथ संबंध बना लो। इसे लेकर भाभी व देवर में जमकर विवाद हुआ। अवैध संबंधों के चलते घर का माहौल तनावपूर्ण हो गया। रोज विवाद होने लगे और मृतक की पत्नी, बड़ा भाई व भाभी तीनों ने मिल उसकी हत्या करने योजना बनाई।

हथौड़ी-चाकू नहर में फेंका, कपड़े व चप्पल जलाए

हत्या के दौरान आरोपियों के कपड़ों में मृतक का खून लग गया। आरोपियों ने कपड़े व कार में छूटे मृतक के एक चप्पल को जला दिया। हत्या में प्रयुक्त चाकू, हथौड़ी को रुद्री मार्ग में नहर में फेंक दिया। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त एर्टिगा कार सीजी 06 जीपी 7271 को जब्त कर लिया है।

मृतक 7 अगस्त की सुबह रोज की तरह काम में गया। पत्नी, भाई व भाभी ने योजना के तहत उसे देवी दर्शन के लिए दंतेवाड़ा चलने कहा। मृतक का बड़ा भाई सूर्यकांत अक्सर आने-जाने किराए की कार ले जाता था जिसे उसका दोस्त तरुण सोनी चलाता था। उसे भी भाई की हत्या में शामिल कर लिया।

दंतेवाड़ा से वापस लौटने के दौरान 8 अगस्त की रात कोकड़ी के पास गाड़ी रोक अचानक उसके सिर में हथौड़ी व चाकू से वार कर उसकी हत्या कर दी। वहीं लाश कोकड़ी मार्ग में फेंककर सभी फरार हो गए। हालांकि मृतक की जेब में मिले पर्स से उसकी शिनाख्त हो गई और परिवार के अलग-अलग सदस्यों से पूछताछ में मामले का खुलासा हो गया।

दोस्त ने की दोस्त की हत्या: पुल से उफनती खारुन नदी में दोस्त को धकेला, हत्यारे पर एफआईआर

धमतरी (ए)। करीब 25 दिन पहले खारुन नदी स्थित पुल के नीचे विजय कुमार युवक की लाश मिली थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद पुलिस ने हत्या का केस दर्ज किया है। जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी मृतक का दोस्त है। शराब पीकर घर लौटते समय विवाद हुआ और गुस्से में उफनती नदी में धक्का देकर मार डाला। इधर आरोपी फरार है।

जानकारी के मुताबिक 18 जुलाई को निपानी-टिपानी पुल में विजय (40) पिता यशवंत साहू की लाश मिली थी। लाश को देखकर हत्या की आशंका हुई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट नहीं मिलने के कारण किसी के ऊपर कार्रवाई नहीं की गई थी। यह घटना रानीतराई थाना क्षेत्र की है, लेकिन लाश पुलिस को भखारा थाना क्षेत्र की सीमा पर मिली। इसलिए दोनों पुलिस घटना की जांच कर रही है।

मृतक विजय साहू और अश्वनी पांडे दोनों दोस्त थे। 18 जुलाई को दोनों टिपानी से शराब पीकर लौट रहे थे। खारुन नदी स्थित पुल के बीच दोनों का किसी बात को लेकर विवाद हो गया। फिर अश्वनी पांडे ने विजय को नदी में धक्का दे दिया। इस घटना को गांव के कुछ लोगों ने देखा था, लेकिन बताने से घबरा रहे थे। पुलिस ने गोताखोर से जाल डलवा कर ढूंढा, लेकिन लाश नहीं मिली। दूसरे दिन भखारा थाना क्षेत्र में लाश मिली।

भखारा पुलिस के मुताबिक कुरूद में शव का पीएम कराया गया था। 1 दिन पहले पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिली, जिसमें पानी में डूबने से मौत बताया गया है। डॉक्टर की रिपोर्ट के बाद अश्वनी पांडे पर जुर्म दर्ज किया गया है। आरोपी फरार है।

summer offer
on gogles flat 20% off
फ्री होम डिलेवरी
(निःशुल्क कम्प्यूटराईज नेत्र जांच)
BROTERS OPTICALS
You see We care
Pratap Singh, Mo. - 9589876064, 9589666143
Infront of Shubham Medical, Krishna Talkies Road, Risali, Bhilai, Email : brothersopticals1@gmail.com

Authorised For :
SOMANY Wall & Floor Tiles
JOHNSON Not just tiles, Lifestyles
orientbell tiles
All Size of Tiles, Granite and Sanitaries
SHRI BALAJI TILES
Krishna Talkies Road, SBI Building, Opp. Church, Risali, Bhilai-490006 Distt.-Durg (C.G.), Mo.-9518326808
E-mail:- balajitilescg@gmail.com

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारें...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षों से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

खास - खबर

हर घर तिरंगा अभियान के लिए कलेक्टर ने कलेक्ट्रेट परिवार को वितरित किया तिरंगा

दुर्ग। हर घर तिरंगा अभियान को लेकर आम नागरिकों में अपूर्व उत्साह छलक रहा है। आज हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत कलेक्ट्रेट के अधिकारी-कर्मचारियों को भी कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा ने तिरंगा वितरित किया। इस दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती पद्मिनी भोई और जिला पंचायत सीईओ अश्विनी देवांगन, संयुक्त कलेक्टर प्रवीण कुमार वर्मा, एसडीएम जागेश्वर कौशल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। इस अवसर पर कलेक्टर ने अधिकारी-कर्मचारियों से चर्चा भी की। सभी ने बताया कि इस बार घर में तिरंगा लहराने को लेकर काफी उत्साह है। हम सबने निश्चय किया है कि अपने घर में तिरंगा लगाएंगे। कलेक्टर ने कहा कि स्वाधीनता दिवस का दिन बहुत पावन रहता है। इस दिन सभी घरों में तिरंगा लहरायेगा तो पर्व का उत्साह और भी बढ़ जाएगा। उन्होंने कहा कि आप सभी अपने घर में तिरंगा फहराये हीं, साथ ही अपने पड़ोसियों और शुभचिंतकों को भी अपने घरों में तिरंगा लगाने प्रेरित करें।

स्वामी आत्मानंद स्कूल के निर्माण में लेटलतीफी, एजेंसी को जारी होगा नोटिस

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त लोकेश चंद्राकर ने आज अंग्रेजी माध्यम स्कूल सेक्टर 6 का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कार्य में लेटलतीफी और सुस्त चाल के कारण निर्माण कार्य में देरी को लेकर आयुक्त ने एजेंसी को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं तथा शीघ्र कार्य पूर्ण करने अधिकारियों को कहा हैं। उन्होंने कहा कि निर्माण की तीव्रता के साथ ही गुणवत्ता का भी ध्यान रखें। उन्होंने पूरे कैंपस का निरीक्षण अधिकारियों के साथ किया। इस दौरान जोन आयुक्त एन आर रत्नेश, कार्यपालन अभियंता सुनील दुबे तथा उप अभियंता श्वेता महेश्वर मौजूद रहे। सेक्टर छह स्थित इंग्लिश मीडियम स्कूल में बैडमिंटन कोर्ट बास्केटबॉल एवं वॉलीबॉल ग्राउंड तैयार किया जा रहा है बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ खेल गतिविधियों का भी लाभ मिलेगा। निगमायुक्त ने कहा कि सभी काम समानांतर करते हुए स्कूल निर्माण कार्य पूरा कराए, बारिश के दौरान भी अंदरूनी कई सारे कार्य पूर्ण किए जा सकते हैं। विधायक देवेंद्र यादव और महापौर नीरज पाल की पहल से नगर भिलाई में 3 शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में भवन रिनोवेशन, निर्माण, लोकेश चंद्राकर के निरंतर मानिटरिंग से युद्ध स्तर पर हो रहा है।

दुर्ग निगम सहित तीन निकायों भिलाई,चरोदा व रिसाली ने चलाया शहर में रोका छेका महाअभियान

आवारा पशुओं की धड़पकड़ लगातार जारी बाधा डालने वालों पर होगी कार्यवाही

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर पुष्पेंद्र मीणा के निर्देश पर रोका छेका संकल्प अभियान के तहत आवारा मवेशियो को पकड़े जाने के लिए नगर पालिक निगम दुर्ग, भिलाई. भिलाई चरौदा, नगर पालिक कुम्हारी एवं नगर पालिक निगम रिसाली, व्दारा संयुक्त रूप से तिथिवार आवश्यक शहर सड़कों में घूम रहे आवारा पशुओं प्रत्येक निकाय व्दारा रोका छेका महाअभियान में संलग्न कर्मचारियों एवं आवश्यक संसाधन काऊ कैचर वाहन के साथ उपरोक्त तिथि अनुसार संबधित निकाय क्षेत्र में संयुक्त रूप से आवारा मवेशियों को पकडे जाने की कार्यवाही के लिए शेड्यूल तैयार किया गया है।

नगर पालिक निगम द्वारा रोका छेका महाअभियान के तहत मवेशियों को पकड़ने आज सुबह कमिश्नर प्रकाश सर्वे के मॉनिटरिंग के दौरान मौजूदगी में मवेशियों को पकड़ने का अभियान शुरू किया गया। रोका छेका महाअभियान के नोडल अधिकारीअतिक्रमण अधिकारी दुर्गेश गुप्ता,स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली,नोडल अधिकारी बाल कृष्ण नायडू,नोडल अधिकारी अश्वनी चंद्राकार,नोडल अधिकारी परिहार सहित अन्य मौजूद रहें। निगम की अतिक्रमण टीम शहर में आवारा मवेशियों को पकड़ने घूमती रही। मवेशियों को पकड़कर गोठान भेजा। शुक्रवार को रायपुर नाका ओवरब्रिज, ग्रीन चौक,बोरसी मालवीय नगर चौक,राजेन्द्र पार्क चौक बायपास मार्ग सहित अन्य जगहों से मवेशियों को पकड़ा गया।सड़कों पर मवेशियों के जमघट से दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। खासकर रात में मवेशियों के सड़क पर बैठे होने से और भी ज्यादा परेशानियां बढ़ जाती है। काले रंग के मवेशी तो आसानी से नजर भी नहीं आते है। इन सब कारणों से। निगम टीम द्वारा मवेशियों को पकड़ा गया। कुछ मवेशी पालको ने छुड़ाने की मांग की।

कमिश्नर प्रकाश सर्वे ने कहा कि मवेशियों को पकड़ने के लिए प्रशिक्षित टीम लगाई गई है। अतिक्रमण टीम एक साथ झुंड में बैठे पांच से आठ मवेशियो को पकड़ सकती है। हालांकि मवेशियों को पकड़ना इतना आसान नहीं है, इसके लिए अतिक्रमणदस्ता की टीम रोका छेका अभियान लगातर आवारा पशुओ को पकड़ने की कार्यवाही कर रही है। नगर निगम की टीम काऊ केचर एवं रस्सी व आवश्यक संसाधन के साथ फिल्ड में पहुंच रही है।

रोका छेका का आवारा पशुओं का धरपकड़ विशेष महाअभियान आज संयुक्त रूप से नगर निगम भिलाई,नगर निगम चरोदा,कुम्हारी निगम एवं नगर निगम रिसाली की टीम की मदद लेते हुए शहर से आवारा पशुओं को पकड़ा गया।दुर्ग नगर पालिक निगम रोका छेका महाअभियान 12,13,24 एव 25 अगस्त तक,भिलाई नगर निगम 16,17,26 व 27 अगस्त तक,नगर निगम भिलाई 3 चरौदा व कुम्हारी 18,20,29 , 30 अगस्त तक,नगर निगम रिसाली 22,23 व 31अगस्त 1 सितंबर तक चलेगा इन 4 निकायों क्षेत्र में महाअभियान।दुर्ग निगम सहित तीन निकायों ने चलाया रोका छेका महाअभियान,रोका छेका अभियान में बाधा डालने वालो को पहुचाया जाएगा जेल।

ब्रह्माकुमारी बहनों ने रक्षाबंधन के अवसर पर विभिन्न स्थानों पर राखी बांधी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय आनंद सरोवर बघेरा व राजऋषि भवन केलाबाड़ी दुर्ग में रक्षाबंधन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रक्षाबंधन के आध्यात्मिक रहस्य को स्पष्ट करते हुए ब्रह्माकुमारी दुर्ग की संचालिका रीटा बहन ने बताया कि राखी अर्थात मन में शुभ भाव रखना हमारे विचारों व संकल्पों को सकारात्मक रखना, बोल में मिठास रखना व कर्म में श्रेष्ठता रखना, दृष्टि में पवित्र भाव व् वृत्ति में प्रेमभाव रखना, चेहरे पर मीठी मुस्कान रखना, ईश्वर को सदा अपने साथ रखना, यदि हर कर्म में ईश्वर को सदा साथ रखते हैं तो हमारी सच्ची सुरक्षा व रक्षा निश्चित है। इसके अलावा सभी को रक्षाबंधन के अवसर पर श्रेष्ठ संकल्प कराया गया। आज से हम सदा ही अपने हाथों में ईश्वर पिता की याद का पवित्र धागा बांधकर रखें और शांति खुशी आनंद की आध्यात्मिक खुशबू चारों ओर फैलाते रहे।

इसके अलावा शहर के गणमान्य नागरिक जन प्रतिनिधि शासकीय अधिकारियों को व एसटीएफ बघेरा के जवान, पुलिस, वृद्धाश्रम, बाल संप्रेक्षण गृह, विज्ञान विकास केन्द्र, बीएसएफ पोस्ट ऑफिस, रेलवे स्टेशन, होमगार्ड, प्रथम बटालियन सेठ मीठालाल हॉस्टल में राखी बांधी गई व रक्षाबंधन का यथार्थ रहस्य बताया गया व परमात्मा संदेश दिया गया। आनंद सरोवर बघेरा व राजऋषि भवन केलाबाड़ी दुर्ग में ग्रामीण व शहरी अंचल के हजारों की संख्या में भाई-बहन उपस्थित होकर परमात्म रक्षा सूत्र बंधवाये व जीवन में सकारात्मक परिवर्तन करने की प्रतिज्ञा ली।

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत भिलाई निगम के अधिकारी/कर्मचारियों ने ली शपथ

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के अधिकारी/कर्मचारियों ने आज नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत शपथ ली। महापौर नीरज पाल एवं निगम आयुक्त लोकेश चंद्राकर के निर्देश पर अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित होकर नशा मुक्त भारत अभियान के तहत अपने समुदाय, परिवार, दोस्तों को बल्कि खुद को नशा मुक्त बनाने का संकल्प लेने के लिए एकजुट हुए क्योंकि परिवर्तन भीतर से शुरू होता है इसलिए अपने स्वयं को नशा मुक्त बनाने का संकल्प अधिकारी/कर्मचारियों ने लिया। इस बात की भी शपथ ली की भारत को नशा मुक्त बनाने के लिए स्वयं अपनी क्षमता से हर संभव प्रयास करेंगे। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत शपथ कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें बढ़-चढ़कर भिलाई निगम के अधिकारी/कर्मचारियों ने हिस्सा लिया।

स्वामी आत्मानंद स्कूल के निर्माण में लेटलतीफी, एजेंसी को जारी होगा नोटिस, आयुक्त लोकेश चंद्राकर ने अधिकारियों को दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त लोकेश चंद्राकर ने आज अंग्रेजी माध्यम स्कूल सेक्टर 6 का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कार्य में लेटलतीफी और सुस्त चाल के कारण निर्माण कार्य में देरी को लेकर आयुक्त ने एजेंसी को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं तथा शीघ्र कार्य पूर्ण करने अधिकारियों को कहा हैं। उन्होंने कहा कि निर्माण की तीव्रता के साथ ही गुणवत्ता का भी ध्यान रखें। उन्होंने पूरे कैंपस का निरीक्षण अधिकारियों के साथ किया। इस दौरान

जोन आयुक्त एन आर रत्नेश, कार्यपालन अभियंता सुनील दुबे तथा उप अभियंता श्वेता महेश्वर मौजूद रहे। सेक्टर छह स्थित इंग्लिश मीडियम स्कूल में बैडमिंटन कोर्ट बास्केटबॉल एवं वॉलीबॉल ग्राउंड तैयार किया जा रहा है बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ खेल गतिविधियों का भी लाभ मिलेगा। निगमायुक्त ने कहा कि सभी काम समानांतर करते हुए स्कूल निर्माण कार्य पूरा कराए, बारिश के दौरान भी अंदरूनी कई सारे कार्य पूर्ण किए जा सकते हैं। विधायक देवेंद्र यादव और महापौर नीरज पाल की पहल से नगर भिलाई में 3 शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में भवन रिनोवेशन, निर्माण, खेल सुविधा एवं अन्य आवश्यक कार्य निगमायुक्त लोकेश चंद्राकर के निरंतर मानिटरिंग से युद्ध स्तर पर हो रहा है। सेक्टर 6 स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल में 80 लाख की लागत से छत का संधारण, लैंडफिलिंग एवं लेवलिंग, गार्डनिंग, लैंडस्कैपिंग एवं अन्य कार्य किए जा रहे हैं।

शारदा विद्यालय और बीएसएफ ने आजादी का अमृत महोत्सव के तहत निकाला सायकिल तिरंगा रैली

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। प्रात: शारदा विद्यालय, रिसाली से आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आजादी की पचहत्तरवीं वर्षगाँठ मनाने के उद्देश्य से साइकिल रैली निकाली गई। इस रैली में बी.एस.एफ के फंटियर छतिसगढ़ भिलाई की ओर से, आरके बघारिया कंमाडेटं, माहो कंमाडेटं, संजय द्वितीय कमान अधिकारी, पी.के रंजन द्वितीय कमान अधिकारी, प्रभाकर द्वितीय कमान अधिकारी एवं अन्य अधिकारी तथा बड़ी संख्या में बी.एस.एफ के जवान एवं स्कूली छात्र- छात्राओं के साथ विद्यालय के डायरेक्टर संजय ओझा सम्मिलित हुए। रैली को हरी झंडी दिखाते हुए आर.के. बघारिया के द्वारा रैली का नेत्त्व विद्यालय डायरेक्टर संजय ओझा एवं पी.के.रंजन द्वितीय कमान अधिकारी ने किया, विद्यालय के डायरेक्टर संजय ओझा ने अपने उद्बोधन में कहा कि, आज भारत आजादी की पचहत्तरवीं वर्षगाँठ मना रहा है, यह भारत के हर नागरिक के लिए एक गर्व की बात है। तिरंगा हमारा सम्मान है, जिसके संरक्षण में हम सुरक्षित तथा सम्मान के साथ रहते हैं। आज यह रैली समर्पण है उस तिरंगे के लिए जो हर भारतीय को कर्त्तव्य निष्ठता का मार्ग दिखाता है। रैली को शारदा विद्यालय परिसर से शीतला मंदिर चौक, लक्ष्मी नगर ग्रीन सिटी चौक, रिसाली सब्जी मंडी चौक, शा.उ.मा.वि. रिसाली रोड, कृष्णा टॉकिज रोड, मोर रिसाली चौक, रिसाली डी.पी.एस चौक, सांई मंदिर चौक, बी.एस.एफ यूनिट, इस्पात क्लब रोड, सड़क 72/73 से होते हुए लगभग 5 किलोमीटर का दायरा पूरा करते हुए वापस शारदा विद्यालय, रिसाली लाया गया। रैली में भाग लेने वाले हर विद्यार्थी का उत्साह अप्रतिम था।

विद्यार्थियों तथा जवानों का उत्साह बढ़ाने में शारदा विद्यालय, रिसाली से मैनेजर ममता ओझा, विद्यालय प्राचार्या सुतापा सरकार, हेडमिस्ट्रेस पुष्पा सिंह, सीनियर मिस्ट्रेस रेन्जिनी एम.आर., प्रतीक ओझा, गतिविधि प्रभारी पूजा बब्बर भी भागीदार रही।

स्व सहायता समूह की महिलाओं ने तैयार किए थे विभिन्न स्थानों में विक्रय केंद्र

हर घर झंडा अभियान, 30000 तिरंगे झंडे लोगों ने महिलाओं से खरीदे

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत स्व सहायता समूह की महिलाओं ने तिरंगे झंडे के विक्रय के लिए अलग-अलग स्थानों पर स्टॉल के माध्यम से तिरंगा झंडा का विक्रय किया। 30,000 तिरंगा झंडा लोगों ने खरीदे। महापौर नीरज पाल एवं निगम आयुक्त लोकेश चंद्राकर ने हर घर झंडा अभियान को सफल बनाने की अपील की है। आज निगम आयुक्त लोकेश चंद्राकर ने मुख्य कार्यालय में लगे हुए स्टॉल का निरीक्षण किया और उन्होंने स्वयं तिरंगा झंडा महिलाओं से क्रय किया।

हर घर झंडा कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय ध्वज को अपने-अपने घरों में फहराने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। संकल्प स्व सहायता समूह कोहका के द्वारा 10,000, हयात स्व सहायता समूह के द्वारा 5000, मिराज स्व सहायता समूह के द्वारा 4000, ईश्वरी स्व सहायता समूह के द्वारा 7000 एवं जय बजरंगबली स्व सहायता समूह के द्वारा 4000 तिरंगे झंडे का निर्माण किया गया था, इन सभी तिरंगे झंडे को लोगों ने अपने घरों में फहराने के लिए खरीद लिया। हर घर झंडा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए स्व सहायता समूह की महिलाएं काफी दिनों से मेहनत कर रही थी और निर्माण पश्चात इसके लिए स्टॉल लगाकर लोगों को झंडे उपलब्ध कराए गए।

निगम मुख्य कार्यालय में महापौर नीरज पाल करेंगे ध्वजारोहण : स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर महापौर नीरज पाल निगम के मुख्य कार्यालय में ध्वजारोहण करेंगे वही शहीद उद्यान सेक्टर 5 में विधायक देवेंद्र यादव ध्वजारोहण करेंगे, निगम के सभी अनुविभागीय कार्यालयों में जोन समिति के अध्यक्ष ध्वजारोहण करेंगे।

सभी महत्वपूर्ण स्मारकों की साफ-सफाई एवं माल्यार्पण इस अवसर पर किया जाएगा, चौक चौराहा आदि स्थानों पर सफाई का विशेष ध्यान रखा जा रहा है, सार्वजनिक संस्थानों एवं कार्यालय में जहां राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा वहां राष्ट्रभक्ति के गीत का उपयोग होगा, निगम के मुख्य कार्यालय, शहीद उद्यान सहित जोन कार्यालय में रोशनी की व्यापक व्यवस्था की जाएगी। स्वतंत्रता दिवस उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाने की अपील महापौर नीरज पाल एवं निगम आयुक्त लोकेश चंद्राकर ने सभी से की है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950